[Shri M. Venkaiah Naidu]

are all aware of it. If you want to prolong it on technicalities and do not want to take up the business relating to the people is a different matter. There is a limit for anything. The hon. Leader of Opposition gave a suggestion. The Government has accepted it. So, please move forward and seek clarifications, if any. Or, if you want to hear again his personal explanation, let him give his personal explanation. Then, you seek clarifications. Sir, either of the two can be done. And, then we should move ahead, because the House is not able to transact its business. We are losing important time.

SHRI GHULAM NABI AZAD: Venkaiahji, let me tell you that in spite of my best efforts, I could not hear not even a word through the earphone. So is the case with other hon. Members. It is in this backdrop we requested that either the Statement be circulated or the hon. Minister should be allowed to repeat that Statement, on which basis we would ask questions.

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: It was not his fault that he was not heard properly, but he is ready. ..*(Interruptions)*..

SHRI NITIN JAIRAM GADKARI: Sir, if you give permission, I am ready to read it again; I have no problem.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: But how do I allow that? Is it okay? ..*(Interruptions)*..

SOME HON. MEMBERS: We have not heard it, Sir.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay, that is correct. There is agreement from all the sides. But, as far as the Chair is concerned, this is a Statement already made. That is the position of the Chair. ..*(Interruptions)*.. Okay, I allow the hon. Minister.

STATEMENTS BY MINISTER - *Contd.*

Re. Findings by C&AG in Audit Report of Purti Sakhar Ltd.

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री तथा पोत परिवहन मंत्री (श्री नितिन जयराम गडकरी): सम्माननीय उपसभापति महोदय, कुछ सम्माननीय सदस्यों ने पिछले दिनों सदन के पटल पर रखी गई एक सीएजी रिपोर्ट के संदर्भ में मेरे ऊपर कुछ आरोप लगाए हैं। सीएजी की यह रिपोर्ट इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी (इरेडा) द्वारा 29 कम्पनियों को लोन दिए जाने में अपनाई गई प्रक्रिया पर ऑडिट रिपोर्ट है। ये सभी लोन वन टाइम सेटलमेंट प्रक्रिया के तहत निपटाए गए थे। सीएजी की इस ऑडिट रिपोर्ट में लोन के किसी भी प्रकार से गलत इस्तेमाल, हेराफेरी या फिर

भ्रष्टाचार की बात नहीं की गई है। कुछ सदस्यों ने यह मुद्दा, खास कर पूर्ति साखर कारखाना को दिए गए 13 साल पुराने लोन को लेकर उठाया है। इस पूर्ति साखर कारखाने से मैं 2000 से 2011 के बीच बतौर अध्यक्ष जुड़ा था। यह लोन इरेडा ने वितरित किया था और वन टाइम सेटलमेंट प्रक्रिया 2008-09 में अपने वैध मानक के अंतर्गत पूरी हुई थी। उस समय यूपीए की सरकार थी और यूपीए सरकार के ही मंत्री थे। मैं यह भी बता दूं कि उस समय मैं न तो सांसद था और न ही भारत सरकार में किसी पद पर था, न बीजेपी का अध्यक्ष था। ...**(व्यवधान)**... पूर्ति साखर कारखाना के अध्यक्ष पद से मैंने 2011 में इस्तीफा दे दिया है, तब से मैं इससे जुड़ा भी नहीं हूं। हालांकि सीएजी द्वारा उठाए गए सभी सवालों का जवाब इरेडा को देना है, क्योंकि इरेडा के ऊपर सीएजी ने आब्जेक्शन लिया है। लेकिन सदन में कुछ माननीय सदस्यों ने व्यक्तिगत तौर पर मेरे खिलाफ और 2008-2009 के बीच पूर्ति साखर कारखाना के खिलाफ आरोप लगाए हैं। इसलिए इससे संबंधित जानकारी के साथ मैं अपनी बात रखना चाहता हूं। इस विषय से संबंधित सभी दस्तावेज हमने पूर्ति साखर कारखाने से हासिल किए हैं, जिन्हें मैं सदन से साझा करना चाहता हूं।

सभी कम्पनियों के लोन का वन टाइम सेटलमेंट की वैध प्रक्रिया के तहत, जो भारत सरकार और रिजर्व बैंक के तहत आती है, उसकी नीति के अनुसार इरेडा ने इसके बारे में निपटारा किया था। मैं आपको एक बात और बताना चाहता हूं कि मेरी अर्जी पर यह हुआ है, जिसकी कापी मैं आज आपको सौंपना चाहता हूं। यह क्यों किया, इसके बारे में भी मैं आपको बता दूंगा।

इस प्रक्रिया में किसी भी लोन लेने वाले ने, यह कोई भ्रष्टाचार का मामला नहीं है। मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि मैं इस सभा गृह में बैठने के लिए तैयार हूं और जितने घंटे मुझसे सवाल पूछने हैं, उन सब का जवाब देने के लिए मैं तैयार हूं, क्योंकि मैंने कोई गलत काम नहीं किया है। आप इनको समय दीजिए, इनको जितना बोलना है, उतना बोलने दीजिए, मुझसे सवाल पूछने दीजिए, राजनैतिक बात न करें। मैं सभी के पूरे सवालों का जवाब देने के लिए तैयार हूं।

सर, ऑडिट रिपोर्ट में इरेडा ने जो प्रक्रिया अपनाई है, उसमें कुछ खामियों और अनियमितताओं का आरोप है। इस पर इरेडा ने अपना स्पष्टीकरण उसी रिपोर्ट में दिया है।

पूर्ति साखर कारखाना ने किसी भी प्रकार की अनियमितता नहीं की है और न इरेडा के सामने गलत तथ्य रखे हैं। ऑडिट रिपोर्ट में भी इस तरह का कोई आरोप पूर्ति साखर कारखाना के खिलाफ नहीं है। इस सदन के सम्माननीय सदस्य श्री अविनाश पांडे, श्री विजय जवाहरलाल दर्डा जी, माननीय शरद पवार साहब और श्री प्रफुल्ल पटेल साहब मेरे को जानते हैं। मैं यह गौरव के साथ कहूंगा कि जब-जब मेरे ऊपर आरोप लगे हैं, तब इन सब लोगों ने मुझे सहानुभूति दी और मेरा सपोर्ट किया। ये जो कारखाना है, यह मेरी प्रापर्टी ...**(व्यवधान)**... जब आप बोलते हैं, तो आप मेरी बात भी सुन लीजिए। ...**(व्यवधान)**...

उपसभापति महोदय, इस कारखाने में मेरे केवल चार हजार रुपये के शेयर हैं। ...**(व्यवधान)**... आप मेरी पूरी बात सुन लीजिए। बाद में आपको जो पूछना है, वह पूछ लीजिएगा। मैं खुद जवाब दूंगा। इस कारखाने में चार हजार किसान इसके मेम्बर हैं और विदर्भ में किसान आत्महत्या कर रहे थे, इसलिए इसकी शुरुआत हुई। सन् 2004 में शुरू करने के बाद वहां चार गन्ने की मिलें बन्द हो गई।

[श्री नितिन जयराम गडकरी]

विदर्भ में कुछ शुगर फैक्ट्री में सामान खत्म हो गया, तो बायोमास मिला नहीं। माननीय विपक्ष के नेता ने बायोगैस फैक्ट्री के बारे में कुछ कहा,यह बायोगैस फैक्ट्री एक इंटिग्रेटेड प्रोजेक्ट है। यह शुगर है, इथनोल है और पावर है। ग्रीन पावर के लिए कर्जा इरेडा ने दिया था। जो इथनोल का कर्जा था, वह स्टेट बैंक ऑफ इंदौर और बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने दिया था और शुगर फैक्ट्री के लिए को-ऑपरेटिव 16 बैंकों ने consortium करके कर्जा दिया था।

उपसभापति महोदय, पूर्ति साखर कारखाना ने किसी प्रकार की अनियमितता नहीं की है और न ही इरेडा के सामने गलत तथ्य रखे। ऑडिट रिपोर्ट में इस तरह का कोई आरोप पूर्ति साखर कारखाना के खिलाफ नहीं है। पूर्ति साखर कारखाना ने अपने सभी लोन one time settlement की योजना के तहत सही तरीके से चुकाया है। कुल देनदारी और ब्याज के बड़े हिस्से, मैं आपको बताना चाहूंगा कि 48 करोड़ लोन लिया गया था और पेनल्टी इन्टरेस्ट और कम्पाउंड इन्टरेस्ट लगकर 84.81 करोड़ आता था।

उपसभापति जी, इसमें बायोमास नहीं मिला, क्योंकि गन्ना नहीं लगाया, तो हमने स्वयं इरेडा से अर्ज की कि आप अपनी ग्रीन पावर से लोन दें और हम यह नहीं कर सकते हैं। तो उन्होंने कहा कि आप one time settlement करें, उससे संबंधित लैटर्स हमारे पास हैं, मैं आपके सामने सब सब्मिट करूंगा। उसके बाद हमने जो प्रपोज़ल दिया तो उन्होंने हमें प्रपोज़ल देने के लिए कहा। उन्होंने हमें आखिर में सवा बारह परसेंट इन्ट्रेस्ट लगाकर 84.81 करोड़ की तुलना में सवा 72 करोड़ रुपए लेकर OTS किया।

उपसभापति जी, 29 कम्पनीज़ के नाम हैं। इनमें 18 कम्पनीज़ ऐसी हैं जिन्होंने मूलधन तक नहीं दिया है, उनका OTS हुआ है और 9 कम्पनीज़ ऐसी हैं, जिन्होंने ब्याज तक नहीं दिया है। इन 29 कम्पनीज़ में सबसे ज्यादा यानी 82 प्रतिशत सवा बारह परसेंट की दर से ब्याज देकर, हमने यह कर्ज़ा चुकाया है। मैं सम्माननीय सदन से पूछना चाहता हूं कि क्या कर्ज़ा लेना ही भ्रष्टाचार होता है और क्या ब्याज सहित कर्ज़ा वापस करना भ्रष्टाचार होता है? आपको इसमें राजनीति करनी हो, तो करिए, लेकिन मैं इस बात से डरता नहीं हूं। मैं ग्रास रूट लेवल से काम करने वाला कार्यकर्ता हूं और बायोडाटा लेकर लीडर नहीं बना हूं। मैंने बहुत संकट झेले हैं। उपसभापति महोदय, मैं आपको यह बताना चाहता हूं कि हमने इसमें सबसे ज्यादा कर्ज़ा 72.72 परसेंट ब्याज सहित चुकाया है। लोन की मूल राशि 46.63 करोड़ थी। ब्याज के प्रमुख हिस्से को सही तरीके इरेडा को चुकाया गया और कुल देनदारी का 84.81 प्रतिशत सबसे ज्यादा कर्जा इरेडा में हमारी कम्पनी ने चुकाया। बाकी कम्पनीज़ ने तो मूलधन भी नहीं दिया है और ब्याज भी नहीं दिया है, जबकि हमने सबसे ज्यादा चुकाया है। यह निर्णय करने के समय यूपीए की सरकार थी और मंत्री भी यूपीए के थे, बोर्ड इरेडा का था और शासन आपका था। सीएजी की रिपोर्ट इरेडा के खिलाफ है। इरेडा उस समय अपारम्परिक ऊर्जा विभाग की कम्पनी थी। एक प्रकार से सीएजी की रिपोर्ट मेरे खिलाफ नहीं है। उस समय जो आपकी सरकार थी, उसके खिलाफ है।

उपसभापति जी, मैं यहां नियमों के तहत हर बात का जवाब देने के लिए तैयार हूं। इससे यह साफ होता है कि पूर्ति साखर कारखाना ने इरेडा के लोन को मूल और ब्याज सहित चुकाकर, सही व्यावसायिक प्रक्रिया का परिचय दिया है। देश में जो इस प्रकार के लाखों एकाउन्ट्स हैं, यहां माननीय

फाइनेंस मिनिस्टर यहां बैठें हैं, रिजर्व बैंक के अनुसार अनेक नेशनलाइल्ड बैंकों में ऐसे अनेक OTS होते हैं। 29 में से 18 मामलों में ब्याज का एक भी रुपया वसूल नहीं किया गया और 9 मामलों में मूलधन भी नहीं चुकाया गया। यह तुलना इस बात को साफ करती है कि सभी मामलों में साखर कारखाने की कुल देनदारी की रिकवरी प्रतिशत सबसे ऊपर है और हमारे साथ कोई फेवर नहीं किया गया। सीएजी की ऑडिट रिपोर्ट पर इरेडा की प्रक्रिया भी सीएजी की रिपोर्ट का हिस्सा है, जिसमें कहा गया है कि इरेडा अपने लोन देने की प्रक्रिया के तहत खामियों को दूर करते हुए आवश्यक कार्यवाही करती है। इरेडा ने अपने जवाब में यह भी कहा है कि वह सीएजी की टिप्पणियों से पूरी तरह सहमत नहीं है। पूर्ति साखर कारखाने ने साफ किया है कि उसने RBI के सभी दिशा-निर्देशों और नियमों का पालन किया है। पूर्ति साखर कारखाना व्यवसाय के नियम कानूनों का पालन करता है और कभी भी किसी गैर-कानूनी प्रक्रिया में लिप्त नहीं रहा है। पूर्ति साखर कारखाना से मिली पूरी जानकारी संलग्न है।

महोदय, मैं अंत में सदन को बताना चाहता हूं कि सीएजी रिपोर्ट में न तो कहीं मेरे ऊपर भ्रष्टाचार का कोई आरोप है और न ही मेरे प्रतिकूल कोई टिप्पणी की गई है। पूर्ति साखर कारखाने के संबंध में भी इस रिपोर्ट में किसी अनियमितता और भ्रष्टाचार की कोई बात नहीं है। मैं सीएजी संस्था का सम्मान करता हूं, लेकिन सीएजी की रिपोर्ट के तथ्यों को जान बूझकर तोड़-मरोड़ कर अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए कुछ सदस्यों द्वारा देश की जनता को गुमराह किया जा रहा है। मेरा सम्माननीय सदन से यह विनम्र अनुरोध है कि सीएजी रिपोर्ट के मामले में सदन में पूर्व से चली आ रही प्रक्रिया का पालन किया जाना चाहिए। लोक लेखा समिति इस रिपोर्ट पर उपयुक्त समय पर विधिवत बहस करेगी। यदि लोक लेखा समिति में इस मामले में किसी भी प्रकार की अनियमितता सिद्ध होती है, तो कानून अपना काम करेगा और मैं उसके लिए तैयार हूँ।

जो मुद्दे गुलाम नबी आज़ाद साहब ने कल उपस्थित किए थे ...**(व्यवधान)**... पहले मेरी बात पूरी होने दीजिए, फिर आप बोलिए। ...**(व्यवधान)**...

SHRI P. KANNAN (Puducherry): Sir, at last, the Government has been indicted. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I am not allowing you; let the Minister complete.

श्री नितिन जयराम गडकरी : सर, गुलाम नबी आज़ाद साहब ने कल ऐसा कहा था और आनन्द शर्मा जी, ज़रा आप सुन लें, मैं आपको पूरा बताऊँ, क्योंकि आपके ऊपर गलत बात नहीं जानी चाहिए, यह मेरा बायोगैस का प्रोजेक्ट नहीं है, यह बायो एनर्जी का प्रोजेक्ट है। आपने कल ऐसा कहा था कि इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी लिमिटेड से जो लोन लिया गया, वह लोन 75 परसेंट रिन्यूएबल एनर्जी पैदा करने के लिए था। मैं आपसे अनुरोध करता हूँ कि यह सही बात है। उसमें जब गन्ना मिल लगेगी, तब बगास निकलेगा, तो बायोमास पर पावर चलेगी। अब विदर्भ में गन्ना ही नहीं लगा, तो आइडल पड़ गया, तीन फैक्टरीज़ बंद हो गईं। फिर मैंने खुद यह एप्लिकेशन इरेडा को दी है, जिसकी रिसीव्ड कॉपी मेरे पास है। ...**(व्यवधान)**... मैं सबका जवाब दे रहा हूँ। ...**(व्यवधान)**... मैंने एक रुपए की सब्सिडी नहीं ली है।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Let him complete. ...*(Interruptions)*... Don't answer like that. You make your statement and sit. ...*(Interruptions)*... You complete your statement and sit.

श्री नितिन जयराम गडकरी : पहली बात, पूर्ति साखर कारखाना ने एक रुपए की सब्सिडी नहीं ली है। जो सब्सिडी है, उसके बारे में इरेडा और गवर्नमेंट के डिपार्टमेंट, इन दोनों के बीच हमने इसे नहीं लिया, उलटा हमने यह कहा कि अब यह 75 परसेंट बायोमास उपलब्ध नहीं है, तो आपकी पालिसी के अनुसार अब यह ग्रीन पावर का प्रोजेक्ट नहीं है, तो मैं अर्ज़ करता हूँ कि मैं आपका लोन वापस करता हूँ और आप इसको सेटल करिए। हमने एक रुपए की सब्सिडी नहीं ली है, न पूर्ति साखर कारखाना को कोई चेक मिला है।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please conclude.

श्री नितिन जयराम गडकरी : उपसभापति महोदय, दूसरी महत्वपूर्ण बात है कि जब यह कोल पर गया, तो उस समय महाराष्ट्र में कांग्रेस की सरकार थी, उस सरकार की अनुमति ली, एनवायरनमेंट मिनिस्ट्री की अनुमति ली और जो क्वासी-ज्यूडिशियल अथॉरिटी है, जिसको एमईआरसी कहते हैं, महाराष्ट्र इलेक्ट्रिक अथॉरिटी, उसके पास जाकर हमने उससे परमिशन ली, उसके बाद कोयले पर चलाया। आज स्थिति ऐसी है कि विदर्भ में गन्ना लग गया है और आज 60 परसेंट गन्ना बगास निकलता है। अब वह ग्रीन पावर पर चल रहा है और प्रोजेक्ट में वहाँ कम-से-कम विदर्भ में 30 हजार किसानों ने गन्ना लगाया है और अभी वह 60-70 परसेंट गन्ने पर मिलता है।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: All right. Conclude, please.

श्री नितिन जयराम गडकरी : हमने कोई सब्सिडी नहीं ली। हमने कोई अनुमति नहीं ली, हमने ऐसा कोई काम नहीं किया। केन्द्र सरकार से सब अनुमति ली है, इसके बाद राज्य सरकार की अनुमति ली है, एमईआरसी की अनुमति ली है। इसको डायवर्जन करने के लिए हमने एनवायरमेंट मिनिस्ट्री की अनुमति ली है, उसके बाद इरेडा की अनुमति ली है, उसके बाद नॉन-कंवेंशनल एनर्जी के डिपार्टमेंट की अनुमति ली है और सबकी अनुमति लेने के बाद यह काम किया है। **(समय की घंटी)** मुझे लगता है कि मेरी बातों के बाद भी अगर आपको कुछ पूछना है, तो आप जब तक सवाल पूछेंगे, मैं आपके हर सवाल का जवाब देने के लिए तैयार हूँ, पर आप एक बात जरूर याद रखिए। देखिए, आप भी सम्माननीय सदस्य हैं और मैं भी हूँ। आप * कहते हैं, * कहते हैं, आपको यह बात शोभा नहीं देती। दुनिया की किसी भी अदालत में यह सिद्ध हो जाए कि मैंने एक रुपए का भ्रष्टाचार किया, तो मंत्री पद का क्या, मैं तो सांसद पद से भी रेजिग्नेशन देने के लिए तैयार हूँ, मैं आपसे यह कहना चाहता हूँ। आपको मुझसे जो पूछना है, आप पूछिए।

श्री प्रमोद तिवारी (उत्तर प्रदेश) : माननीय उपसभापति जी, मैं बहुत ही विनम्रतापूर्वक और ध्यानपूर्वक श्री गडकरी जी का वक्तव्य सुन रहा था। मैं शुरुआत यहीं से करना चाहता हूँ कि हम लोग कोई कहानी या किस्से नहीं सुना रहे हैं। एक सीएजी रिपोर्ट है, जो 30 अप्रैल को सदन में प्रस्तुत हो गई है। यह लीक नहीं हुई है, पहले की तरह। यह लीक्ड रिपोर्ट नहीं है, यह प्रस्तुत रिपोर्ट है और यह

Expanged as ordered by the Chair.

मेरे सामने है। मैं इसे कहीं बाजार से खरीद कर नहीं लाया हूँ, यह यहीं संसद भवन में उपलब्ध कराई गई है, तो यह संसद भवन का डॉक्यूमेंट है, जिस पर आधारित मेरे तथ्य हैं। 30 अप्रैल को यह प्रस्तुत हुई है। अब मैं सिर्फ दो-तीन बातें कहना चाहता हूँ। मैं कोई पुरानी तिलिस्मी कहानी नहीं सुना रहा हूँ। आपने कहा कि 2004 में लोन लिया गया, लोन तो 2004 का ही है।

श्री नितिन जयराम गडकरी : जी हां, 13 साल पहले का है।

श्री प्रमोद तिवारी : मैं आपसे कुछ कह नहीं रहा हूं। आपने 2011 में त्यागपत्र दिया, हम तो उसके पहले के सात सालों की कहानी बता रहे हैं। 2011 में आपके त्यागपत्र दे देने से, 2004 में आपने जो किया है, वह बात खत्म नहीं हो जाती है। याद रखिएगा, श्री गडकरी जी ने स्वयं स्वीकार कर लिया है कि 2004 से 2011 तक वे इस कम्पनी से जुड़े हुए थे, इस कम्पनी के डायरेक्टर थे। ...**(व्यवधान)** प्रमोटर थे ...**(व्यवधान)**... फिर भी, अगर वे इसे स्वीकार न भी करें, तो सीएजी की रिपोर्ट में यह लिखा हुआ है, तब तो मजबूरी है। ...**(व्यवधान)**... प्लीज़, प्लीज़ ..**(व्यवधान)**... पेज 51 पर इसमें लिखा है, मैं नहीं जानता कि ये कौन हैं, मैं तो सिर्फ पेज 51 पढ़ रहा हूं, मैं किसी पर कोई आरोप नहीं लगा रहा हूं। "श्री नितिन जयराम गडकरी..." कोई होंगे, जो भी हैं, "इस कम्पनी के प्रमोटर हैं, जिन्होंने पर्सनल गारंटी दी है।" मेरे खयाल से यह सही बात है।

2011 में किसने त्यागपत्र दिया या भारतीय जनता पार्टी ने किसको दोबारा अध्यक्ष नहीं चुना, ये सब बातें मैं नहीं करूंगा। दोबारा अध्यक्ष न चुने जाने के पीछे कुछ तो कहानी रही होगी, उस पर भी मैं नहीं जाऊँगा। मैं तो सिर्फ इतना ही कहूंगा, साहब, आप बहुत ही विद्वान हैं, लेकिन मैं यह समझना चाहता हूं, एक पूर्ति साखर कारखाने में 84.12 करोड़ रुपये का कर्ज लिया गया, आपने ठीक कहा कि वह ज्वाइंट वेंचर था, जिसमें आपको इरेडा ने इसीलिए कर्ज दिया था कि आप बगास से ही बिजली बनाएंगे। आपकी देशभक्ति पर मुझे कोई संदेह नहीं है और आपकी ईमानदारी पर भी मुझे संदेह नहीं है, लेकिन अपने ज्ञानवर्धन के लिए मैं एक चीज़ जानना चाहता हूं कि कर्जा लेते वक्त आपने बगास का वायदा किया और फिर बाद में बिजली आपने 100% कोयले से बनाई, यह * हुआ कि नहीं हुआ? यह * हुआ कि नहीं हुआ? अगर मैं * या * को अंग्रेजी में ट्रांस्लेट कर दूं, तो क्या *हुआ या नहीं हुआ, मैं सिर्फ इतना जानना चाहता हूं? ...**(व्यवधान)**...

मैं कुछ नहीं कह रहा हूं, इसमें परेशान होने की कोई जरूरत नहीं है। मैं तो सिर्फ ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay. Put the questions and close. ...*(Interruptions)*...

श्री प्रमोद तिवारी : सर, इस पर आप समय की पाबन्दी मत लगाइए। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I told you that you have to confine to 2-3 minutes. ...*(Interruptions)*... Please seek clarifications only. It is within the 'clarification.' ...*(Interruptions)*.. Ask questions and conclude. ...*(Interruptions)*... It is within 'clarification', the term 'clarification'. ...*(Interruptions)*...

Expanged as ordered by the Chair.

श्री प्रमोद तिवारी : माननीय डिप्टी चेयरमैन सर, मैं सिर्फ वह फार्मूला जानना चाहता हूं कि जिस पर लगभग 82 करोड़ रुपये से ऊपर के लोन पर one time settlement में 71.34 करोड़ रुपया जमा किया है। यह बात मैं नहीं कह रहा हूं, यह CAG की रिपोर्ट कह रही है कि उसमें सिर्फ सब्सिडी का एमाउंट है, 1.66 करोड़ रुपये, जिससे इन्कार किया जा रहा था। इस सब्सिडी या इंटरेस्ट को one time settlement में एडजेस्ट किया गया था। मैं जानना चाहता हूं * और * करके जिस धन को अर्जित किया गया और जिस इंटरेस्ट को उसमें समाहित किया गया, अगर इसे* नहीं कहते हैं, तो फिर * किसको कहते हैं, मैं उसकी परिभाषा जानना चाहता हूं?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay. Now, conclude.

श्री प्रमोद तिवारी : मैं आपसे विनम्रतापूर्वक एक और निवेदन करना चाहता हूं कि यूपीए की गलती यह है कि उसने एक प्रयास किया था कि वैकल्पिक ऊर्जा बने। कहा गया है कि यह तो इरेडा की गलती है, केन्द्रीय सरकार या यूपीए की गलती है। यूपीए ने तो पेन्शन की स्कीम भी लागू की थी, कर्जे भी माफ किए थे। अगर कोई * करके उस कर्जे को माफ करा ले, तो कर्जा माफ करवाने वाला *कर रहा है या वह सरकार * कर रही है, जिसने इस पॉलिसी को बनाया है।...**(व्यवधान)**...

श्री मनसुख एल. मांडविया (गुजरात) : आप अपना प्रश्न पूछिए, आपका प्रश्न क्या है?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, please. ...*(Interruptions)*... Please sit down. ...*(Interruptions)*... Sit down. ...*(Interruptions)*... I am not allowing you. Sit down. ...*(Interruptions)*... Sit down. ...*(Interruptions)*...

श्री प्रमोद तिवारी : सर, आप मुझे संरक्षण दें।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay. Now, conclude. ...*(Interruptions)*... Mr. Pramod Tiwari, please conclude. ...*(Interruptions)*...

SHRI PRAMOD TIWARI: Sir, I need time. ...*(Interruptions)*... I need time. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, no. Please conclude. ...*(Interruptions)*... Now, please. ...*(Interruptions)*... I have to go by the rules. Please. ...*(Interruptions)*... For clarifications I cannot give more time. ...*(Interruptions)*... I cannot give more time. Please conclude. ...*(Interruptions)*... You have to conclude. ...*(Interruptions)*... Put your question and conclude.

SHRI PRAMOD TIWARI: No, Sir. I have to put forth certain facts. मैं एक सवाल पूछना चाहता हूँ। ...**(व्यवधान)**... मैं जानता हूँ कि तकलीफ हो रही होगी। ...(व्यवधान)... मान्यवर, मैं एक जानकारी और चाहता हूँ। Ideal Road Builders एक ग्रुप है। इसको 1995 से लेकर 1999 तक, 4 साल तक महाराष्ट्र में PWD के सड़क निर्माण के काफी ठेके मिले हैं। कोई गडकरी, मैं नहीं जानता कौन गडकरी, महाराष्ट्र में PWD Minister थे और उन्होंने ये इत्तिफाक से कर दिए। फिर वही IRB,

Expanged as ordered by the Chair.

Ideal Road Builders — Ideal Road Builders बड़े कृपालु हैं — ने बिना किसी security के इसी पूर्ति कम्पनी को कर्जा दिया, जिसको PWD Minister रहते हुए 1995 से 1999 तक ठेके दिये गये। हम तो गांधी जी की परम्परा के हैं, हम तो बहुत ईमानदार हैं। ...**(समय की घंटी)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, please. ...*(Interruptions)*...

श्री प्रमोद तिवारी: सुनिए, सर। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: That is all. Now conclude. ...*(Interruptions)*... Now, please... ...*(Interruptions)*... You can't do that. ...*(Interruptions)*...

THE LEADER OF THE HOUSE (SHRI ARUN JAITLEY): Sir, ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, please. ...*(Interruptions)*... Hon. Leader of the House. ...*(Interruptions)*...

SHRI ARUN JAITLEY: Sir, Tiwariji has raised an issue that there is a CAG Report. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Tiwari, please... ...*(Interruptions)*...

SHRI ARUN JAITLEY: I can quite understand the strategy behind this discussion that 'all right, we will now try and throw some mud', because we have been saying that this is a clean Government. The best allegation he had is that the raw material used for producing electricity was not bagasse; it was coal. यह सबसे बड़ा भ्रष्टाचार का आरोप है। ...**(व्यवधान)**...

SHRI B. K. HARIPRASAD (Karnataka): Sir, he has not yielded. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: He has yielded. Please... ...*(Interruptions)*... Sit down. ...*(Interruptions)*...

श्री अरुण जेटली: आप बैठ जाइए। ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति: आप इनकी बात सुनिए। ...**(व्यवधान)**...

SHRI ARUN JAITLEY: Sir, the second thing he says is कि आपने 46 करोड़ रुपये लिए। ...**(व्यवधान)**... You can't shout me down like this, if you think you can do that. ...*(Interruptions)*...

SHRI PRAMOD TIWARI: Sir, I am not yielding. I have to say... ...*(Interruptions)*...

SHRI ARUN JAITLEY: It is a point of order. Where is Ideal Road Builders mentioned in the CAG Report? ...*(Interruptions)*... He is seeking clarifications on CAG Report. Where is Ideal Road Builders mentioned in the CAG Report? ...*(Interruptions)*...

श्री प्रमोद तिवारी: सर, मैं सिर्फ इतना कहना चाहता हूँ कि ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, Mr. Tiwari, please listen to me.... *(Interruptions)*... Now, please. ...*(Interruptions)*... Mr. Tiwari, let me tell you the problem. ...*(Interruptions)*... I have to grapple with two issues. ...*(Interruptions)*... Number one, I have already said, it falls within the scope of 'clarifications'. ...*(Interruptions)*... Now, let me speak, please. ...*(Interruptions)*... While seeking clarifications on a statement, everybody in the House knows, a Member can take three minutes and a maximum of five minutes, not more, because it is just clarifications. ...*(Interruptions)*... Number two, as everybody knows, it is an accepted norm that clarifications on a statement should be within the scope of that statement. You cannot bring an extraneous incident or subject. ...*(Interruptions)*... No, no. ...*(Interruptions)*... Let me complete. If it is a general discussion, a debate under Short Duration Discussion or any other discussion, you can bring in all subjects. Clarifications on the statement of a Minister should be confined to the scope of that statement. No extraneous incident or allegation can be brought within that. Therefore, confine to this. You have taken seven minutes. I can give you only two more minutes. You have to conclude within two minutes. ...*(Interruptions)*... I cannot violate the norms and rules. I cannot violate norms and rules. ...*(Interruptions)*...

SHRI ANAND SHARMA: Sir, you just hear me; I am just requesting the Chair. It is true that when the statement is made on a particular subject, the clarifications are on that is the right of Members. Now, here is a CAG Report on the Purti Sakhar Karkhana and he is referring to, after all Purti Sakhar Karkhana is there in the CAG Report, the promoters, directors and investors or सैकड़ों करोड़ रुपए unsecured loan. From whom? यह कैसे relevant नहीं है? यह बिल्कुल relevant है। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: My problem is ...*(Interruptions)*...

SHRI PRAMOD TIWARI: Let me say ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: How much time will you take? ...*(Interruptions)*...

SHRI PRAMOD TIWARI: Very little. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: If you want a full-fledged discussion, give notice. ...*(Interruptions)*... Give separate notice. ...*(Interruptions)*... You take two more minutes and complete. ...*(Interruptions)*... You take two more minutes and complete.

...*(Interruptions)*... Not more than two more minutes ...*(Interruptions)*... Only two minutes ...*(Interruptions)*... Only two minutes ...*(Interruptions)*... Sit down, please. ...*(Interruptions)*... You please sit down. ...*(Interruptions)*... I have allowed him two more minutes. ...*(Interruptions)*... I have allowed him two more minutes. ...*(Interruptions)*... Sit down. ...*(Interruptions)*... Sit down, Treasury Benches. ...*(Interruptions)*... Two more minutes ...*(Interruptions)*... Let him speak. ...*(Interruptions)*... Tiwariji, two more minutes ...*(Interruptions)*... You speak. ...*(Interruptions)*... Treasury Benches, बैठिए ...**(व्यवधान)**... Tiwariji, don't compel me to ...*(Interruptions)*...

SHRI PRAMOD TIWARI: You give me a peaceful House. ...*(Interruptions)*...

श्री अविनाश राय खन्ना (पंजाब) : सर, इनके पास कहने के लिए कुछ नहीं है। ...**(व्यवधान)**...

श्री वी.पी. सिंह बदनौर (राजस्थान) : सर ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: If all of you say together, what will I do? ...*(Interruptions)*...

SHRI NARESH GUJRAL (Punjab): Sir, the CAG Report ...*(Interruptions)*...

SHRI PRAMOD TIWARI: Are you permitting him or me? ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Are you yielding? ...*(Interruptions)*... Are you yielding? ...*(Interruptions)*...

SHRI PRAMOD TIWARI: I want to speak. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Are you yielding? ...*(Interruptions)*...

SHRI PRAMOD TIWARI: I am not yielding. ...*(Interruptions)*... I am not yielding. ...*(Interruptions)*...

SHRI NARESH GUJRAL: Sir, the CAG Report can be discussed only in the PAC; this is not the forum. ...*(Interruptions)*...

SHRI PRAMOD TIWARI: I am not yielding. ...*(Interruptions)*... I am not yielding. ...*(Interruptions)*...

SHRI NARESH GUJRAL: Sir, all names should be expunged. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay. I got it. ...*(Interruptions)*... Sit down. ...*(Interruptions)*... Tiwariji, I told you to take two more minutes only. ...*(Interruptions)*... Now, finish in two minutes. ...*(Interruptions)*... You have already taken seven minutes. ...*(Interruptions)*...

श्री प्रमोद तिवारी: मान्यवर, पूर्ति कपनी में 16 कंपनीज़ हैं प्रमोटर्स और साहब, यह बड़ी अजीब सी बात है कि जिस कंपनी में इतने बड़े महापुरुष हों, उसकी कंपनियों का अता-पता ही नहीं मिल रहा है, वे कहां हैं? रजिस्टर्ड ऑफिस में जो पता दिया गया है, उन कंपनियों का कोई वजूद ही नहीं है। अगर कोई इस तरह से फर्जी कंपनियां स्थापित करे, तो वह बड़ा ईमानदार है, जरा मुझे यह समझने दीजिए। ...**(व्यवधान)**... 16 कंपनियों का पता ही नहीं है। ...**(व्यवधान)**... इनका अता-पता नहीं है।...**(व्यवधान)**...

SHRI NITIN JAIRAM GADKARI: Sir ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I will allow you. ...*(Interruptions)*... Let him finish. ...*(Interruptions)*... Let him finish. ...*(Interruptions)*...

अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री; तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुख्तार अब्बास नक़वी): सर ...**(व्यवधान)**...

श्री अविनाश राय खन्ना: सर, ऐसे नहीं होगा ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Minister will reply. ...*(Interruptions)*... You sit down. ...*(Interruptions)*... Minister will reply. ...*(Interruptions)*... Treasury Benches may take their seats. ...*(Interruptions)*...

SHRI NITIN JAIRAM GADKARI: Sir, I have a point of order. ...*(Interruptions)*...

SHRI PRAMOD TIWARI: I am not yielding. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I will allow the Minister. ...*(Interruptions)*... आप लोग बैठिए ...**(व्यवधान)**... All of you sit down. ...*(Interruptions)*...

श्री मुख्तार अब्बास नक़वी: सर, सिर्फ सीएजी रिपोर्ट पर और जो माननीय मंत्री जी ने स्टेटमेंट दिया, उसी पर clarification होगा। ...**(व्यवधान)**... अगर आप चाहते हैं कि corruption की इश्यू पर पूरा discussion हो ...**(व्यवधान)**... If you want a discussion on corruption issue, you discuss. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I will allow you...*(Interruptions)*...

SHRI MUKHTAR ABBAS NAQVI: Sweeping statements should not be made... *(Interruptions)*...

श्री तरुण विजय (उत्तराखंड): ये इधर-उधर की जानकारी लेकर समय बेकार कर रहे हैं। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Naqviji, Members from Treasury Benches may please take their seats. ...*(Interruptions)*...

SHRI PRAMOD TIWARI: Sir, I am not yielding. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I will have to adjourn the House. ...*(Interruptions)*... One of you should speak. ...*(Interruptions)*...

SHRI PRAMOD TIWARI: No, Sir, I am not yielding. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I agree. ...*(Interruptions)*... I heard you. Sit down. ...*(Interruptions)*... Now, Tiwariji, in total, you have taken seven-plus-four... *(Interruptions)*...

SHRI PRAMOD TIWARI: No, Sir. My time is there. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I told you to confine yourself within the scope of the statement; nothing else.

SHRI PRAMOD TIWARI: Yes, Sir, I promise that I will not go beyond that.

श्री अविनाश राय खन्नाः सर, सीएजी के बारे में जो प्वाइंट्स हैं, वही आने चाहिए। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, I am not allowing you. Let me deal with it. Nothing else will go on record.

SHRI PRAMOD TIWARI: Should I start?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Yes. You have only two more minutes.

श्री प्रमोद तिवारीः मैं सिर्फ इतना कहना चाहता हूँ कि निविता ट्रेडर्स, स्विफ्टसॉल, रिजमा, अश्वामी सेल्स, जो कम्पनी प्रमोटर हैं, ये पाँचों की पाँचों एक चॉल में रहती हैं, जिसका नाम है- दूबे चॉल। क्या चॉल होगी, जहाँ पर इतनी बड़ी कम्पनी के मालिक होंगे! साहब, मैं उस ड्राइवर को हाथ जोड़ना चाहता हूँ, जो गडकरी जी का ड्राइवर भी है और करोड़ों रुपये देकर इस कम्पनी का डायरेक्टर भी है। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay; that is over. Now, Shri Anil Madhav Dave. ...*(Interruptions)*...

SHRI PRAMOD TIWARI: Sir, I have not yet finished. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, that is over. No more. ...*(Interruptions)*... Shri Anil Madhav Dave. ...*(Interruptions)*... That's all. Nothing else is going on record. ...*(Interruptions)*... Shri Anil Madhav Dave. ...*(Interruptions)*...

SHRI ANIL MADHAV DAVE (Madhya Pradesh): Yes, Sir. ...*(Interruptions)*...

SHRI PRAMOD TIWARI:*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shri Anil Madhav Dave...*(Interruptions)*...

श्री अनिल माधव दवेः सर, हाउस को ऑर्डर में लाइए। ...**(व्यवधान)**...

SHRI AJAY SANCHETI (Maharashtra): Sir, I have a point of order.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, I am not allowing. Shri Anil Madhav Dave... *(Interruptions)*... I am not allowing. Sit down. ...*(Interruptions)*... Shri Anil Madhav Dave. ...*(Interruptions)*...

SHRI PRAMOD TIWARI: Sir, I have to say something.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I know. It is over. You cannot take time like that. ...*(Interruptions)*...

SHRI PRAMOD TIWARI: *

MR. DEPUTY CHAIRMAN: What Mr. Pramod Tiwari says will not go on record. Now, Shri Anil Madhav Dave...*(Interruptions)*... Only what Mr. Anil Madhav Dave says will go on record. ...*(Interruptions)*...

श्री अनिल माधव दवेः सर, मेरा यह कहना है कि ...**(व्यवधान)**... उपसभापति जी, ...**(व्यवधान)**... उपसभापति जी, ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Then you should have given a notice for other... *(Interruptions)*... not on this...*(Interruptions)*...

श्री अनिल माधव दवेः उपसभापति जी, जिस बात पर कांग्रेस चर्चा करना चाहती थी...**(व्यवधान)**...

श्री मुख्तार अब्बास नक़वीः सर, ये डिस्कस करना नहीं चाहते हैं ...**(व्यवधान)**... ये सिर्फ डिस्टर्बेंस करना चाहते हैं और ये जो डिस्टर्बेंस कर रहे हैं ...**(व्यवधान)**...ये जो भी कर रहे हैं, इससे निश्चित तौर से ...**(व्यवधान)**... यहाँ पर काम नहीं करने देना चाहते। ...**(व्यवधान)**...

श्री अनिल माधव दवेः ऐसे मुद्दों को raise कीजिए, जिन मुद्दों के अंदर कोई ठोस सबूत हो। ...**(व्यवधान)**... आप ऐसे-ऐसे मुद्दे लाते हैं, जिसके ऊपर आप ...**(व्यवधान)**... नहीं ले सकते। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, it is not allowed. See, this House has a tradition of seeking clarifications. Maximum time allowed to a Member is five minutes. ...*(Interruptions)*... Please let me finish. If you wanted to have a full-fledged

*Not recorded.

discussion, you could have given a notice. You agreed for clarifications, and I have to go by that. I gave him fourteen minutes. ...*(Interruptions)*... I cannot give more time. ...*(Interruptions)*... Why should the Chair violate the rules? I cannot do that. Shri Anil Madhav Dave. ...*(Interruptions)*...

श्री अनिल माधव दवेः पूरी दुनिया के सामने यह बात निश्चित हुई थी कि हम चर्चा करेंगे, बात करेंगे, लेकिन आप बात नहीं करने देना चाहते। ...**(व्यवधान)**... मुझे यह बताइए कि यह कैसे सम्भव होगा? ...**(व्यवधान)**...

श्री प्रमोद तिवारीः हम बात करना चाहते हैं। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Why don't you give another notice? आप दूसरा नोटिस दे सकते थे, दूसरे रूल पर नोटिस दे सकते थे, क्यों नहीं दिया? ...**(व्यवधान)**... क्यों नहीं दिया? आपको क्लैरिफिकेशंस चाहिए थे, क्लैरिफिकेशंस के लिए मैक्सिमम टाइम पाँच मिनट है, मैंने दस मिनट से ज्यादा दिया। ...**(व्यवधान)**... Violation of rules is not permitted. ...*(Interruptions)*... Only what Mr. Anil Madhav Dave says will go on record. ...*(Interruptions)*...

श्री अनिल माधव दवेः आप बात नहीं कर रहे हैं ...**(व्यवधान)**... आप चर्चा नहीं करने देना चाहते ...**(व्यवधान)**... अपनी बात कहकर सदन में डिसऑर्डर ला रहे हैं। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You give notice. ...*(Interruptions)*...

SHRI ARUN JAITLEY: Sir, every statement Mr. Tiwari is making, is outside the CAG Report, is outside the Minister's statement. He cannot be allowed to do so. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Anil Madhav Dave, please speak. ...*(Interruptions)*...

श्री अनिल माधव दवे : उपसभापति जी,.....**(व्यवधान)**

MR. DEPUTY CHAIRMAN: What Mr. Tiwari is saying, is not going on record; I am telling you. ...*(Interruptions)*... It is not going on record. ...*(Interruptions)*... It is not going on record.

श्री अनिल माधव दवे : उपसभापति जी, यह देखिए, इन्होंने कहा था कि हम क्लेफिकेशन मांगेंगे, अब नारे लगा रहे हैं। इसीलिए ऐसे दिन आपके जीवन में आए हैं, क्योंकि...**(व्यवधान)**... जो वायदे आपने जनता से किए थे, उसने आपको यहां पहुंचा दिया। आज आप सदन की गरिमा की बात कर रहे हैं।...**(व्यवधान)**... पूर्ति कम्पनी ने जो लोन लिया था उसको ब्याज सहित चुकाया है और 21 करोड़ का लोन चुकाया है। ऐसी कम्पनियां कितनी हैं...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I have to go by Rules. ...*(Interruptions)*...

श्री अनिल माधव दवे : मेरा यह कहना है कि...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: What do you want? ...*(Interruptions)*...

श्री अनिल माधव दवे : जो रहे हैं और अभी हैं, उनकी जांच करवाई जाए कि उनमें से किस-किसने...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The House is adjourned for fifteen minutes.

The House then adjourned at fifty-seven minutes past two of the clock.

The House reassembled at twelve minutes past three of the clock,

MR. DEPUTY CHAIRMAN *in the Chair.*

SHRI PRAMOD TIWARI: Sir, just one minute. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Hon. Members, ...*(Interruptions)*... Hon. Members, ...*(Interruptions)*...

SHRI PRAMOD TIWARI. Sir, please give me two minutes. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Sit down. ...*(Interruptions)*... Let me complete. ...*(Interruptions)*... Hon. Members, please. ...*(Interruptions)*... Please take your seats. ...*(Interruptions)*...

SHRI V. HANUMANTHA RAO (Telangana): Sir, he should be given two minutes. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please take your seats. ...*(Interruptions)*... Allow me to say something. ...*(Interruptions)*...

SHRI PRAMOD TIWARI: Sir, I am concluding. I need only two minutes. ...*(Interruptions)*... I will not take more than two minutes. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please allow me to say something. ...*(Interruptions)*... Please allow me to say something. ...*(Interruptions)*...

SHRI RAJ BABBAR (Uttarakhand): Sir, give him one minute only for clarifications. ...*(Interruptions)*...

SHRI PRAMOD TIWARI: Sir, give me only two minutes. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Tiwariji, please sit down. ...*(Interruptions)*... I want to say something. You are not allowing. ...*(Interruptions)*...

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री प्रकाश जावडेकर) : सर, जो इन के स्टेटमेंट में नहीं है, वह उस पर बोले हैं, आप उसे पहले expunge करिए ..**(व्यवधान)**.. और दूसरे अब तो दवे जी ने बोलना शुरू कर दिया है ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Let me say something. ...*(Interruptions)*...

SHRI PRAKASH JAVADEKAR : He is already on the ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Let me say something. ...*(Interruptions)*...

SHRI PRAKASH JAVADEKAR: You have to ensure order in the House. ...*(Interruptions)*... They are not ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Tiwariji, sit down. ...*(Interruptions)*... Let me say something. ...*(Interruptions)*... Tiwariji, sit down. ...*(Interruptions)*... Tiwariji, please sit down. ...*(Interruptions*... Please take your seats. ...*(Interruptions)*...

श्री प्रकाश जावड़ेकर : सर, व्यापम में इन्होंने फोर्जरी की, यह सारा कोर्ट में साबित हो गया है ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You take your seat. ...*(Interruptions)*... I am asking all of you to take your seats. ...*(Interruptions)*...

श्री प्रकाश जावडेकर : सर, फोर्जरी की गई है ...**(व्यवधान)**... यह कोर्ट में साबित हो गया है, forgery is a serious offence. ...*(Interruptions)*...

MR.DEPUTYCHAIRMAN:Allofyoutakeyourseats. ...*(Interruptions)*... Iwill havetoadjourn. ...*(Interruptions)*... Iamrequestingeveryhon.Membertotakehisseat. ...*(Interruptions)*... Please sit down. ...*(Interruptions)*... Sit down. ...*(Interruptions*... आप तो बहुत disciplined Member हैं, फिर अभी क्यों झगड़ा करते हैं? ..**(व्यवधान)**... Hon. Members, Chair has to go by rules only. I cannot waive the rule for a particular Member. Every Member is equal before me. Now, to this side I am saying, usually, for clarifications maximum time given is five minutes and in very exceptional case, seven minutes. Here, I have given more than that. So, I asked ...*(Interruptions)*... Please. ...*(Interruptions)*... Please. ...*(Interruptions)*... No, please. ...*(Interruptions)*... No, no. ...*(Interruptions)*... I asked him to stop, and after that, I have called another hon. Member. He started also. I cannot reverse my decision. So, don't pressurise me for that. ...*(Interruptions)*... Please don't pressurise me for that. Now, if Mr. Tiwari has to say anything more, there are other Members from your side. You can convey that. They will say it. ...*(Interruptions)*... They will say it. I cannot reverse my decision, whatever may be the pressure. ...*(Interruptions)*... Sit down. ...*(Interruptions)*... Now, second point. ...*(Interruptions)*... I am not allowing. ...*(Interruptions)*... I will allow you. ...*(Interruptions)*...

SHRI MANI SHANKAR AIYAR (Nominated): Sir, I have a point of order. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I will allow you. ...*(Interruptions)*... I will allow you. ...*(Interruptions)*... I will allow you. Sit down and let me complete.

Second point, the names are already given and I will read. I have already got the names – Shri Anil Madhav Dave, Shri Digvijaya Singh, Shri Anil Desai, Shri Shantaram Naik and Shri D. Raja. ...*(Interruptions)*... Oh, sorry, Mr. Harivansh. ...*(Interruptions)*...

श्री नरेश अग्रवाल : सर, इधर हम लोग भी पूछने वाले हैं।

श्री उपसभापतिः इधर मेरे पास लिस्ट में नाम नहीं है। ...**(व्यवधान)**...

श्री तपन कुमार सेन (पश्चिमी बंगाल): नहीं है, तो call from all the parties.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Then, why did you not give names? ...*(Interruptions)*...

श्री नरेश अग्रवालः माननीय उपसभापति, आप नियम 251 देख लीजिए। इस नियम 251 में कहीं डिस्कशन नहीं लिखा हुआ है, जो हम नाम दें। हम क्लैरिफिकेशन पूछना चाहते हैं, आप हमें पूछने का मौका दें। ...**(व्यवधान)**... आप नियम 251 निकाल कर देख लीजिए। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Listen. ...*(Interruptions)*... No, no. ...*(Interruptions)*... I have got your point. Sit down. Then, how do I decide the time? If you have not given name ...*(Interruptions)*...

SHRI NARESH AGRAWAL: I am saying ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I have got the names. If you have not given the name, what do I do then? ...*(Interruptions)*...

श्री नरेश अग्रवालः तो आप नाम लिखवा दीजिए, सर।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: How do I know? ...*(Interruptions)*... How do I know that you want to speak? ...*(Interruptions)*...

श्री नरेश अग्रवालः मैं कह रहा हूँ। ...**(व्यवधान)**... नाम कैसे मांग सकते हैं? नियम 251 के तहत नाम नहीं मांग सकते हैं। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay. That means you also want to speak. That's all.

SHRI NARESH AGRAWAL: Yes.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay, I can allow that also.

SHRI TAPAN KUMAR SEN: Yes. Sir, my name also ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay, Mr. Tapan Kumar Sen, also agreed. But I am not going to allow anybody more than three minutes. ...*(Interruptions)*...

SHRI MANI SHANKAR AIYAR: Mr. Deputy Chairman, Sir, ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Everybody – three minutes. After three minutes, I will say no more and it will not be recorded. ...*(Interruptions)*... Within three minutes, you should ask. ...*(Interruptions)*... Whoever it is, within three minutes you should seek clarifications. ...*(Interruptions)*...

SHRI MANI SHANKAR AIYAR: Sir, I have a point of order. ...*(Interruptions)*... Kindly allow me. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Yes, point of order. ...*(Interruptions)*...

SHRI MANI SHANKAR AIYAR: My point of order is this. In a clarification ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: What is the Rule? Tell me. ...*(Interruptions)*... It is under what Rule? ...*(Interruptions)*... Quote the rule! ...*(Interruptions)*...

SHRI MANI SHANKAR AIYAR: Without citing the Rule, I want to ask the Chair a question. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay. ...*(Interruptions)*... Then it is not ...*(Interruptions)*...

श्री प्रकाश जावडेकरः सर, यह पर्सनल स्टेटमेंट है। यह कोई गवर्नमेंट की तरफ से स्टेटमेंट नहीं है। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I allow it. ...*(Interruptions)*... I allow it. ...*(Interruptions)*... It is a point of order; sit down. ...*(Interruptions)*... It is a point of order, sit down. ...*(Interruptions)*... What are you doing? ...*(Interruptions)*... Why are you doing this? ...*(Interruptions)*...

SHRI MANI SHANKAR AIYAR: Sir, my question to Chair is the following. When there are clarifications, can one Member seek a clarification from another Member or does Mr. Dave have to target his clarifications to the Minister, who spoke? ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay; sit down. ...*(Interruptions)*...

SHRI MANI SHANKAR AIYAR: He heard a few words from him. ...*(Interruptions)*... He was answering Mr. Tiwari! He was not seeking clarifications from the Minister. ...*(Interruptions)*... So, please rule him out of order. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: All right. ...*(Interruptions)*... Now, all clarifications should be confined within three minutes and question will be only to the Minister. Now, Shri Anil Madhav Dave. ...*(Interruptions)*...

श्री प्रमोद तिवारी: सर, मैं तीन मिनट लूंगा। ...**(व्यवधान)**... Let me conclude. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I am not allowing. ...*(Interruptions)*... I am not allowing that. ...*(Interruptions)*... Only what Mr. Anil Madhav Dave will say ...*(Interruptions)*... I cannot. ...*(Interruptions)*... How can I allow? ...*(Interruptions)*... How can I allow? Sit down. ...*(Interruptions)*...

श्री अनिल माधव दवे : सर, मैं केवल इतना पूछना चाहता हूँ कि अगर कोई कंपनी लोन लेती है और लोन लेने के बाद पूरा लोन ब्याज सहित चुका देती है, तो क्या यह इस देश के कानून के तहत कोई अपराध है?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shri Anil Madhav Dave, put your question within three minutes. ...*(Interruptions)*... Put your question in three minutes. ...*(Interruptions)*...

श्री अनिल माधव दवे: और, अगर किसी को ऐसा लगता है, तो मैं आपके माध्यम से अपने मित्रों से यह भी कहना चाहता हूँ कि जो अभी सिटिंग मेम्बर्स हैं और बीस साल के अंदर जितने मेंबर्स ऑफ पार्लियामेंट हुए हैं, उन सब में से कितनों ने कितना लोन लिया है, अगर उसकी जांच हो जाएगी, तो आधे से ज्यादा मेम्बर्स * ...**(व्यवधान)**...

श्री आनन्द शर्मा: सर, यह क्या बोल रहे हैं? यह क्या तरीका है? ...**(व्यवधान)**..

श्री अनिल माधव दवे: मेरे कहने का तात्पर्य यह है। ...**(व्यवधान)**... वह आप लोगों की समस्या है। ...**(व्यवधान)**... मेरे कहने का तात्पर्य यह है। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No. ...*(Interruptions)*... Put the question to the Minister. ...*(Interruptions)*...

श्री अनिल माधव दवे: इसलिए मैं मंत्री जी से पूछना चाहता हूँ कि क्या इस प्रकार की जांच होनी चाहिए? ...**(व्यवधान)**... ये लोग इस बात को लेकर चिंतित हैं कि पहले टू जी थे, फिर थ्री जी थे, फिर जीजा जी थे, लेकिन ऐसे लोगों के नाम व्यापम घोटाले में लेकर आ जाते हैं, जिसका कोई सबूत नहीं होता है। ...**(व्यवधान)**...

---

*Expunged as ordered by the Chair.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: What do you want? ...*(Interruptions)*...

श्री अनिल माधव दवे: मेरे कहने का तात्पर्य यह है कि ये जितने लोग दिख रहे हैं, इनमें आधे* ...**(व्यवधान)**...जब जेल के अंदर चले जाएंगे, तो वापस नहीं आ पाएंगे। ...**(व्यवधान)**...लोन लेना आसान है, लेकिन लोन चुकाना मुश्किल है। लोन चुकाना आसान नहीं होता है और वह भी ब्याज सहित। ...**(व्यवधान)**... पूर्ति ने ब्याज के साथ लोन चुकाया है। सर, ऐसे कितने लोग हैं? सर, जो लोग नारे लगा रहे हैं, वे आधे से ज्यादा डिफॉल्टर हैं। ...**(व्यवधान)**... आप इन लोगों की बात नहीं सुन सकते।...**(व्यवधान)**

SHRI ANAND SHARMA: Sir, I am on a point of order. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: This is your point of order. ...*(Interruptions)*... You go back to your seats. ...*(Interruptions)*... Otherwise, how can I allow? ...*(Interruptions)*... No. ...*(Interruptions)*... This way you cannot...*(Interruptions)*... No, no. ...*(Interruptions)*...

श्री अनिल माधव दवे : सर, मैं केवल इतना कहना चाहता हूं कि हार और जीत चलती रहती है। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Point of order cannot be allowed. ...*(Interruptions)*... Go back to your seats, then I will allow. ...*(Interruptions)*...

श्री अनिल माधव दवे : आप जो मुद्दे खड़े करते हैं, उनमें कोई दम नहीं होता है। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Go back to your seats. ...*(Interruptions)*... Go back to your seats. ...*(Interruptions)*...

श्री अनिल माधव दवे: अगर आपको कोई सलाह चाहिए, तो हमसे लीजिए। हम आपको बताएंगे कि डैमोक्रेसी में अच्छा विपक्ष कैसा होता है। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I am asking the Members on the left.... *(Interruptions)*... Please. ...*(Interruptions)*... Please. ...*(Interruptions)*... Don't you want to seek clarifications? ...*(Interruptions)*... Tell me this. ...*(Interruptions)*... You want clarification and you are doing this. ...*(Interruptions)*... What is it that you want? ...*(Interruptions)*...

श्री अनिल माधव दवे: आपको मुद्दे तलाशते समय ठोस मुद्दे तलाशने चाहिए। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: If he said anything unparliamentary, I will look into that. ...*(Interruptions)*...

श्री अनिल माधव दवे: आप अपने अंदर ही बंटे हुए हैं और बंटे हुए होने के कारण ठीक से लड़ भी नहीं पा रहे हैं। ...**(व्यवधान)** ...

---

*Expunged as ordered by the Chair.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You wanted clarification and you are doing this. ...*(Interruptions)*... What is this? ...*(Interruptions)*... Ask your Members to go back. ...*(Interruptions)*... Ask your Members to go back. ...*(Interruptions)*... I am not allowing.

श्री अनिल माधव दवेः आप सदन को चलने नहीं देते। विपक्ष की भूमिका नहीं निभा पाते हैं। ...**(व्यवधान)**...बिल को पास नहीं होने देते हैं। आप अवरोध खड़ा करना चाहते हैं। केवल नारे लगाकर देश की संसद की प्रक्रिया को अवरुद्ध करना चाहते हैं। ...**(व्यवधान)**... सर, मैं केवल इतना कहना चाहता हूं कि हर वह शब्द हटाया जाना चाहिए जो अनावश्यक रूप से बोला गया है। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You wanted clarification and you are doing this. ...*(Interruptions)*... What is this? ...*(Interruptions)*... I am sorry. ...*(Interruptions)*...

श्री अनिल माधव दवेः सर, इनकी आदत ही ऐसी है। पहले तो ये गलती करते हैं...**(व्यवधान)** ...

SHRI MUKHTAR ABBAS NAQVI: Sir, I have a point of order.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You are the Deputy Leader. Ask your Members to go back to their seats. ...*(Interruptions)*...

श्री अनिल माधव दवेः आनन्द शर्मा जी, आप अपनी पार्टी को संभालिए। एक कहता है, वैल में मत जाओ, आप लोग वैल में आ जाते हैं। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I can allow you. ...*(Interruptions)*... You ask your Members. ...*(Interruptions)*... Don't pressurise me. ...*(Interruptions)*... Don't pressurise me like this. ...*(Interruptions)*... I am ready to allow you. But your Members should go back to their seats. ...*(Interruptions)*... I am ready to allow you. ...*(Interruptions)*...

SHRI MUKHTAR ABBAS NAQVI: Sir, I have a point of order. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The Minister stood up first. ...*(Interruptions)*... He stood before you. ...*(Interruptions)*... I know that. ...*(Interruptions)*... He asked before you. ...*(Interruptions)*... I will allow you also. ...*(Interruptions)*... First, he will speak and then you. ...*(Interruptions)*... Mr. Minister, I can allow you to raise a point of order. ...*(Interruptions)*... Ask your Members to be calm. ...*(Interruptions)*... Why do Treasury Benches create problems? ...*(Interruptions)*... You don't want that. ...*(Interruptions)*... What is your point of order?

SHRI MUKHTAR ABBAS NAQVI: Sir, this is General Rules of Procedure.

"If the permission is granted, the Member concerned makes a statement and no further questions or clarifications thereon are permitted, the intention being that the

personal explanation should not be converted into a debate. As has been observed, "These statements are made by the indulgence of the House, and not of right, since there is no question before the House at the time, and no debate can take place."

सर, आपने बहुत स्पष्ट तरीके से रूलिंग दी है कि इस पर माननीय सदस्य यदि कोई क्लेरीफिकेशन चाहते हैं, तो वे कर सकते हैं और माननीय मंत्री जी उस पर पूरी तरह से ब्याज सहित जवाब देने को तैयार हैं। अब सवाल यहां यह पैदा हो रहा है कि माननीय सदस्य, पूरे के पूरे मोहनजोदड़ो और हड़प्पा की खुदाई के बारे में बोल रहे हैं, लेकिन इस मुद्दे पर बोलने के लिए तैयार नहीं हैं। इसलिए यहां सवाल यह है कि सर, आपको निर्देश देना होगा कि जो इश्यू है, इस पर स्पेसीफिक रूप से, इसी फ्रेमवर्क में यदि कोई क्वैश्चन करना चाहे, तो करें अन्यथा हम करप्शन पर डिस्कशन के लिए तैयार हैं। करप्शन पर सरकार ...**(व्यवधान)**... सर, करप्शन का नाम आते ही ये लोग चिल्लाने लगते हैं। करप्शन और कांग्रेस ...**(व्यवधान)**... अरे भाई, हम कांग्रेस पर नहीं कह रहे हैं, हम करप्शन पर कह रहे हैं। हम कांग्रेस को ...**(व्यवधान)**... हम कह रहे हैं कि corruption, not Congress but unfortunately हम जब करप्शन की बात करते हैं, तो आप उसे कांग्रेस समझ लेते हैं, तो हम क्या कर सकते हैं? ...**(व्यवधान)**...

श्रीमती रेणुका चौधरी(आन्ध्र प्रदेश) : कोई करप्शन पर ...**(व्यवधान)**... लाओ करप्शन पर डिस्कशन, हम बताएंगे। ...**(व्यवधान)**... आपके साथ-साथ ...**(व्यवधान)**...

SHRI ANAND SHARMA: I am on a point of order. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay. ...*(Interruptions)*... Now, Shri Anand Sharma. ...*(Interruptions)*... Please. ...*(Interruptions)*...

SHRI ANAND SHARMA: I am on a point of order. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I have allowed Mr. Anand Sharma. ...*(Interruptions)*... I allowed him. ...*(Interruptions)*...

SHRI ANAND SHARMA: I am on a point of order. ...*(Interruptions)*... I have been allowed by the Chair. ...*(Interruptions)*... आप मंत्री हैं, आप बैठ जाइए। बैठ जाइए। ...**(व्यवधान)**...

श्री प्रकाश जावडेकर : सर, हाई कोर्ट से ...**(व्यवधान)**...

श्री आनन्द शर्मा : इनके तो मंत्री भी खड़े हो रहे हैं। ...**(व्यवधान)**...

श्री प्रकाश जावडेकर : फोर्जरी हुई। सर, हाई कोर्ट ने भी माना। ...**(व्यवधान)**...

SHRI ANAND SHARMA: Sir, you have allowed me. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I have allowed him. ...*(Interruptions)*... You sit down. ...*(Interruptions)*...

SHRI ANAND SHARMA: It is a point of order. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Treasury Benches, please resume your seats. ...*(Interruptions)*... I allowed him. ...*(Interruptions)*... I have allowed Shri Anand Sharma. ...*(Interruptions)*...

श्री आनन्द शर्मा : आप नहीं चाहते कि हाऊस चले? बैठ जाइए। ...**(व्यवधान)**...क्या बोल रहे हैं आप? ...**(व्यवधान)**...मान लीजिए, सुनिए हमारी बात को। कैसे कह दिया इन्होंने? ...**(व्यवधान)**... I am on a point of order. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: House is adjourned up to 4.00 p.m.

The House then adjourned at twenty-six minutes past three of the clock.

The House reassembled at four of the clock,

MR. DEPUTY CHAIRMAN *in the Chair.*

SHRI ANAND SHARMA: Sir, when the House adjourned, you had called me to raise a point of order. Due to disruptions, I was not able to speak.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I will allow you. But, before that, let me make a submission. It is a submission from the Chair. I am ready to allow you. I will allow you. Shri Anil Madhav Dave was speaking. After you, I will call Madhav Dave.

श्री अली अनवर अंसारी (बिहार) : सर, आप बीच में भी देखिए। शरद यादव जी कुछ कहना चाहते हैं।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I have some names. I will call all the hon. Members and everybody will be given three minutes and allow the discussion to have in a peaceful manner. After that, the Minister will reply. So, let us be sure on that. For that, I want cooperation from both the sides...*(Interruptions)*...If any Member makes some remarks or something, I myself will go through the record and if there is anything unparliamentary or not within the rules, I will expunge them. But, if one Member says something and all of you stand up and shout, the Chair is helpless. Therefore, I request everybody to cooperate, because, after this, we have to pass Bills, if not today, at least, we have to pass these important Bills tomorrow. Therefore, I am allowing Shri Anand Sharma on a point of order. Mr. Sharma, be specific to the point.

SHRI ANAND SHARMA : I will be specific. Sir, this House runs as per the rule book. Irrespective of the subject being discussed, the dignity of this House and the dignity of its Members have to be maintained. No one, whether from this side or that side or from here, can lower, by any remark or statement, the prestige of the Rajya

Sabha and the Members of Parliament. Therefore, it is a matter of great anguish for me, my colleagues and all of us, if, in the flow of passion, one hon. Member says that 50 per cent of the Members of this House deserve to be* should apologize; not withdraw, but apologize. This is not acceptable. आप अपने लोगों को भी कह रहे हैं और यहां भी कह रहे हैं। आप अपने गिरेबान में झांकिए और सदन से माफी मांगिए।

श्री मुख्तार अब्बास नक़वी : सर, ऑनरेबल आनन्द शर्मा जी ने जो बात कही, हम उससे सहमत हैं। हम सबको, चाहे उधर बैठे लोग हों या इधर बैठे लोग हों या कहीं के भी हों, राज्य सभा की, संसद की जो गरिमा है, उसके अनुकूल ही अपनी बात कहनी चाहिए। निश्चित तौर पर उससे पहले उधर से भी कुछ ऐसी बातें आयीं या इधर से आयीं, दोनों को रिकार्ड में देखकर आप एक्सपंज करिए और अभी, जो स्पेसेफिक फ्रेमवर्क है, जो मुद्दा है, उस मुद्दे के अंदर अगर कोई सवाल पूछना चाहता है तो वह शॉर्ट में पूछे। उसके बाद ऑनरेबल मिनिस्टर साहब उसका जवाब देंगे।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Number one is, including the statement referred to by Shri Anand Shrama and if there is any other statement, I will go through the record and expunge them.

Now, Shri Anil Madhav Dave...*(Interruptions)*...

SHRI GHULAM NABI AZAD: Sir, it has to be taken off the record right now... *(Interruptions)*...If you look at the record tomorrow, by that time, it will be published. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, no. The statement referred to by Shri Anand Sharma purported to be made by Shri Anil Dave is expunged now itself.

SHRI GHULAM NABI AZAD: That is right. Otherwise, it will be reported in the media tomorrow...*(Interruptions)*...

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF POWER; THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COAL; AND THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF NEW AND RENEWABLE ENERGY (SHRI PIYUSH GOYAL):If that is so, what Mr. Tiwari said should also be expunged now itself...*(Interruptions)*...

SHRI C.M. RAMESH: Sir, what Mr. Tiwari has said should also be expunged now itself...*(Interruptions)*...You expunge it now. ...*(Interruptions)*...Sir, I am on a point of order...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, no. I will go through the record....*(Interruptions)*...I will go through the record...*(Interruptions)*...

---

*Expunged as ordered by the Chair.

SHRI NARESH GUJRAL: Sir, it should be expunged forthwith. ...*(Interruptions)*...

श्री नितिन जयराम गडकरी: सर, मैं सम्माननीय सदस्य श्री आनन्द शर्मा जी को बहुत धन्यवाद देता हूं कि इस सदन में किसी के प्रति ऐसा नहीं कहना चाहिए। दो दिन से, मेरे बारे में* है, जैसे नारे सब लोग दे रहे थे ...**(व्यवधान)**...और जो नारे थे, उन्हें आप रिकार्ड से देख लीजिए।...**(व्यवधान)**...

श्री वी. हनुमंत राव: * कोई नहीं कह रहा था। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I will come back to you.

श्री नितिन जयराम गडकरी : अच्छा, आप सब क्या कह रहे थे, वह सब रिकार्ड में है। ...**(व्यवधान)**...आज उनको देर से क्यों न हो, इस सभा गृह के सदस्यों की dignity की याद आई, इसलिए मैं उनको धन्यवाद देता हूं।

दूसरी बात, जब सम्माननीय प्रमोद तिवारी जी बोल रहे थे, मैं सीएजी रिपोर्ट का जवाब देने के लिए तैयार हूं। मैंने कोई लोन बिना गारंटी के नहीं लिया है। इन्कम टैक्स ने मुझे सर्टिफिकेट दिया है, मेरा कोई संबंध नहीं है। इसके बाद भी उन्होंने आउट ऑफ रिकार्ड जाकर मेरे लोन के बारे में, दूसरी कम्पनी के बारे में, मेरे मंत्री पद के बारे में बोला है। ये सब बातें रिकार्ड में आई हैं। आपसे मेरी प्रार्थना है कि जो सीएजी की रिपोर्ट से रिलेटिड बातें नहीं हैं, वे सब बातें रिकार्ड से निकाल दीजिए। वे बातें कहने का इनको अधिकार नहीं है। ...**(व्यवधान)**... वे सारी बातें रिकार्ड से निकाल देनी चाहिए, तभी मेरे साथ न्याय होगा। ...**(व्यवधान)**... आप उसके साथ एक न्याय और उनके साथ दूसरा, ऐसा नहीं होना चाहिए। ...**(व्यवधान)**...

श्री प्रमोद तिवारी : सर, मेरा प्वाइंट ऑफ आर्डर है। ...**(व्यवधान)**... He has taken my name. He is speaking on record. Let me clarify. सर, उस समय आपने मुझे परमिट किया था। ...**(व्यवधान)**...

श्री नितिन जयराम गडकरी: वह सीएजी की रिपोर्ट के बारे में किया था। ...**(व्यवधान)**...

श्री प्रमोद तिवारी : उस समय आपने परमिट किया था कि सीएजी रिपोर्ट के संदर्भ में क्या पूर्ति में कोई गड़बड़ी है या नहीं है, इसके बारे में बोलना था। सर, मुझे कम्पनी का पता बताना था। मुझे बताना था कि 16-16 कम्पनियां एक जाल में रह रही हैं। ...**(व्यवधान)**... मुझे यह बताना था कि कबूतर कौन है? ...**(व्यवधान)**...मुझे यह बताना था कि ...**(व्यवधान)**...

श्री नितिन जयराम गडकरी: सर, ये फिर से गलत बात कह रहे हैं। ...**(व्यवधान)**... सर, यह सीएजी रिपोर्ट में नहीं है। ...**(व्यवधान)**...

Sir, you are allowing him! The matter which is not permitted by you, he is speaking on the record. He is speaking wrongly. ये असत्य बोल रहे हैं। ...**(व्यवधान)**...

श्री प्रमोद तिवारी: सर, मुझे बताना था कि ड्राइवर भी डायरेक्टर है। ...**(व्यवधान)**... मुझे यह भी बताना था कि इनका चपरासी भी डायरेक्टर है। ...**(व्यवधान)**...

---

*Expnged as ordered by the Chair.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: That is okay, please sit down. ..*(Interruptions)*..

श्री नितिन जयराम गडकरी: जिन्होंने लाखों करोड़ रुपये का * किया। क्या कोयला खाने वाले लोगों को...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Gadkari, please sit down. ..*(Interruptions)*.. Naqviji, please ..*(Interruptions)*..

श्री नितिन जयराम गडकरी: छोड़िए, क्या बात करते हो? तुमने देश को तो* है। ...(व्यवधान)...कोयले में* किया है। ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Naqviji, please ..*(Interruptions)*.. Naqviji, please ..*(Interruptions)*..

श्री प्रमोद तिवारी: हम ऐसी धमकियों से नहीं डरते हैं। ...(व्यवधान)..

श्री नितिन जयराम गडकरी: सर, सीएजी के ऊपर चर्चा हो। ...(व्यवधान)...

श्री मधुसूदन मिस्त्री: सर, उनको अपनी जुबान पर लगाम रखनी होगी। ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: श्री आनन्द शर्मा ...(व्यवधान)... Mistryji, please ..*(Interruptions)*.. Please go back. I am on my legs. Please go back. Mr. Anand Sharma, ask them to go back to their places. ..*(Interruptions)*..

श्री गुलाम नबी आज़ाद : उपसभापति महोदय, चाहे * इधर से कहा या उधर से कहा जाए , वह रिकार्ड से निकाल देना चाहिए। ...(व्यवधान)..

†قائد حزب اختلاف (جناب غلام نبی آزاد) : اپ سبھا پتی مہودے، چاہے * ادھر سے کہا یا ادھر سے کہا جائے، وہ ریکارڈ سے نکال دینا چاہئے —(مداخلت)—

नेता सदन (श्री अरुण जेटली): उपसभापति महोदय, इस शब्दावली को, जिसके बारे में आज़ाद साहब ने कहा है, रिकार्ड से निकाल दिया जाए और जो सीएजी रिपोर्ट के बाहर नये invented allegations आ रहे हैं, उनको भी इसमें से हटा दिया जाए। ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: आप बैठ जाइए। ...(व्यवधान)... आप बैठ जाइए। ...(व्यवधान)..Please sit down. I will decide on that. Please ..*(Interruptions)*.. Mr. Khan, I know what to do, please sit down. अरे, आप लोग बैठिए। ...(व्यवधान)... श्री अनिल माधव दवे, आप बैठ जाइए। श्री तरुण विजय, आप बैठ जाइए। ...(व्यवधान)... First of all, let me say that every hon. Member of this House is an honourable Member. Nobody can be called * or * . We can't do that. That is number one. And if there is anybody who refers to the word * or * regarding anybody, all such words should be expunged. Number two is that shouting

*Expunged as ordered by the Chair.

†Transliteration in Urdu Script.

[श्री उपसभापति]

slogan is not permitted in the House. Slogan shouting should never form part of the record. If that has come on the record, it should also be expunged. Number three is, we are discussing a specific issue on the statement made by Shri Nitin Gadkari. Whatever is referred to there, whatever is mentioned there, can be used for asking questions. But no new allegation from outside. ...*(Interruptions)*... Please, please. ...*(Interruptions)*... No new allegation from outside can be made. If you want to make a new allegation, there is a procedure. Write to the Chairman, get the permission. We will give permission, if necessary, if it is okay. These three conditions to be remembered. Number four, I have names, all the names I have got; I will be allowing but for only three minutes, confined to what I have said. Now, Shri Anil Madhav Dave. ...*(Interruptions)*... Now, please cooperate. ...*(Interruptions)*... My humble request is to please cooperate. ...*(Interruptions)*... Please cooperate. I feel sad. ...*(Interruptions)*... I request everybody to cooperate.

श्री अनिल माधव दवे: उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से केवल इतना कहना चाहता हूं कि अगर कोई कम्पनी लोन लेती है और उस लोन को ब्याज और ब्याज पर ब्याज, टोटल ब्याज मिलाकर कुल जितना भी बनता है, उसको वह वापस जमा करवाती है, तो क्या भारत के किसी भी वित्तीय कानून के अंतर्गत यह गलती है? ऐसी स्थिति में जब भारत के अंदर डिफॉल्टर्स कम्पनियों, प्रमोटरों की भरमार है और हमारे देश के अंदर किसी समय में चैक बाउंस होना खराब समझा जाता था। यदि मेरा चैक बाउंस हो गया, तो मेरी कम्पनी का नाम खराब हो गया, यह समझा जाता था। यदि कम्पनी लोन लेती थी, तो उसे वह कम्पनी सौ प्रतिशत चुकाती थी। पूर्ति ने पूरी प्रमाणिकता से इस काम को किया है। इस काम को करने के ऊपर....**(व्यवधान)**... यदि प्रश्न लगता है, तो यह प्रश्न केवल किसी कम्पनी पर नहीं लगता है। यह प्रश्न इस वृत्ति पर भी लगता है कि लोन चुकाना क्या इस देश के अंदर अपराध है? लोन पर ब्याज सहित लोन चुकाने की प्रक्रिया क्या गलत है? महोदय, आपके माध्यम से मेरे मन में एक प्रश्न जानने की इच्छा है कि कोई भी sitting Member of Parliament, वह चाहे किसी भी पद पर हो, वह मंत्री हो या न हो, क्या हम उनके किसी ऐसे कार्य-कलापों पर, जो कि उसके पदेन रहने से पहले हुए हैं, हम उस पर चर्चा करेंगे? अगर हम ऐसा करेंगे, तो हम भविष्य का एक ऐसा दरवाजा खोल देंगे, जो अनन्त तक जाएगा। उसके अंदर कई संस्थाएं आएंगी, कई कम्पनियां आएंगी और कई लोग आएंगे। मुझे लगता है कि sitting Member रहते हुए की जाने वाली गतिविधियों पर विश्लेषण करने का अधिकार तो सबको है, अगर हम उसके दस साल, बीस साल या तीस साल पहले जाएंगे, तो फिर बात निकलेगी तो वह दूर तक जाएगी, तो उसके अंदर हो ही जाएगा। मैं केवल इतना ही कहना चाहता हूं कि सदन की गरिमा को बनाए रखने की जवाबदेही हम सबकी है। जैसा कि हमारे एक साथी ने कहा है कि आप उसको पढ़िए और आपको यदि ऐसा लगता है, तो उसको expunge करिए, क्योंकि इस सदन की गरिमा को मेंटेन करने के लिए हम सब लोग जवाबदेह हैं। आने वाली पीढ़ियां हमारे मिनट्स निकालकर पढ़ेंगी और हमारी हरकतों को देखेंगी। ...**(व्यवधान)**... भाई साहब, मैं आप दोनों के लिए कह रहा हूं। आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री दिग्विजय सिंह (मध्य प्रदेश) : माननीय उपसभापति महोदय, मैं अपनी बात केवल सीएजी की रिपोर्ट तक ही सीमित रखूंगा और माननीय मंत्री जी की स्टेटमेंट तक सीमित रखूंगा।

महोदय, सेकन्ड पैरा में माननीय मंत्री जी ने कहा है the audit does not conclude any issue of misutilisation, misappropriation, fraudulent or corrupt practices. मैं आपका ध्यान सीएजी की रिपोर्ट के पेज 51 की ओर दिलाना चाहता हूं। ज़रा देखिए नितिन गडकरी जी। उसमें फर्स्ट पैराग्राफ में लिखा हुआ है, फिर आपने उसमें यह भी स्टेटमेंट दिया है, आप अपने स्टेटमेंट के लास्ट पैराग्राफ में जाइए - "CAG Report has nowhere named me as a wrong- doer". इन दोनों बातों को अपने बयान में सीएजी रिपोर्ट के तहत रख कर आपने सदन को * किया है। माननीय उपसभापति महोदय, मैं पेज नं. 51 पैराग्राफ 1 पढ़ना चाहता हूँ, "The promoters or the Directors of the borrower Company had given their personal guarantee for the loan". Now, who the persons are, it is mentioned here. "Nitin Jairam Gadkari" – I think that is you, Sir, -- "Shri Jayakumar Rameshji Verma, Shri Anandrao Motiram Raut, Shri Astik Janglu Sahare and Shri Vishnu Govind Chorghade". Aren't they connected with you, Sir? This is number one.

Number two, इन्होंने कहा है कि हमने इसमें कोई गलत काम नहीं किया। I have referred to last paragraph of page 51. It says, "The borrowers...", who are the borrowers? Mr. Nitin Gadkari is one of the borrowers. "The borrower did not deposit revenue from sale of generated electricity in the Trust and Retention Account (TRA), as committed, which would ensure the repayment of loan, as IREDA held the first charge on this account". What have they done? Then, you go to the same paragraph. "₹ 5.73 crores were paid to the other lenders". The money that was generated from the subsidy which you have taken was given to the other banks. This is number two. Sir, I am quoting this from the CAG Report.

Number three, I would quote paragraph 5.41 on page 61 of the Report. Again it says, "The borrower..." Who is the borrower? Till then, Sir, you were the Chairman of Purti. You have violated the terms and conditions for subsidy schemes. The IREDA continued giving subsidy. Is it not an indictment against the hon. Minister? I am quoting only from the CAG Report.

Sir, the other thing I would like to point out is, 23 अक्टूबर, 2012, मैंने 2012 में तत्कालीन माननीय प्रधान मंत्री, डा. मनमोहन सिंह जी को पत्र लिखा था, जिसमें मैंने पूर्ति के खिलाफ एलिगेशन लगाए थे और कारपोरेट अफेयर्स मिनिस्टर से मैंने अनुरोध किया था कि इसकी स्पेशल फ्रॉड इंवेस्टिगेशन ऑफिस से जाँच की जानी चाहिए। माननीय नेता सदन, आप अभी कारपोरेट अफेयर्स मिनिस्ट्री के चार्ज में हैं। क्या एसएफओ की रिपोर्ट, जो पूर्ति के घपले पर, जिन्होंने 164 करोड़ रुपए, मैं उनका नाम नहीं लेना चाहता, जो आईआरबी के मालिक थे,**(समय की घंटी)** उन्होंने ...**(व्यवधान)**... ग्लोबल सेफ्टी विजन ...**(व्यवधान)**... 164 करोड़ रुपए ...**(व्यवधान)**...

*Expunged as ordered by the Chair.

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF POWER; THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COAL; AND THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF NEW AND RENEWABLE ENERGY (SHRI PIYUSH GOYAL): Sir, he is out of context. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please conclude. ...*(Interruptions)*... Please conclude. ...*(Interruptions)*...

श्री दिग्विजय सिंह : एक डूबती हुई कम्पनी ...**(व्यवधान)**... 164 करोड़ रुपए, ग्लोबल सेफ्टी विजन से इन्होंने पैसा लिया। उसमें मेरा आपसे अनुरोध है, ये लोग कौन थे? यह उसी की सिस्टर कम्पनी है, जिस सिस्टर कम्पनी को आपने मिनिस्टर होने के नाते ठेके दिए थे।

श्री नरेश अग्रवाल : माननीय उपसभापति जी, जो व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप है, हम उसके पक्षधर नहीं हैं। ...**(व्यवधान)**... मैं सही कह रहा हूँ, मैं अपनी राय दे रहा हूँ, लेकिन मैं दो चीज़ें पूछना चाहता हूँ। मैंने सदन में यह भी देखा कि उधर उन्होंने किया था, जब मनमोहन सिंह जी प्रधान मंत्री थे, तो इस देश के प्रधान मंत्री ने खुद खड़े होकर कहा था कि दुर्भाग्य है कि हिन्दुस्तान में प्रधान मंत्री को भी* कहा जाता है। मैंने सदन में वह भी सुना था। ...**(व्यवधान)**... उस समय ये सत्ता में थे, तब हम लोगों ने इनको भी क्रिटिसाइज़ किया था। हम लोग यहाँ बैठे हैं, यह राज्य की असेम्बली नहीं है, हम लोग भारत की सबसे बड़ी अदालत में हैं। हम नहीं चाहते कि इसको व्यक्तिगत किया जाए, कोई इसको अपने ऊपर ले रहा है, तो बात दूसरी है। मैं दो चीज़ें पूछना चाहता हूँ। सीएजी ने आप पर आरोप लगाया कि आपने जिस कार्य के लिए लोन लिया था, आपने उस कार्य के लिए लोन को यूटिलाइज़ नहीं किया। उसको आपने दूसरे कार्य के लिए इस्तेमाल किया अथवा दूसरी कम्पनी को दिया। क्या यह बात सही है या नहीं? दूसरा, वित्त मंत्री जी, मैं आपसे यह जानना चाहता हूं कि बैंक जो ओटीएस करती हैं, उसकी गाइडलाइंस क्या हैं? क्या माननीय नितिन गडकरी जी की कम्पनी के लिए जो ओटीएस किया गया, वह गाइडलाइंस के तहत किया गया या गाइडलाइंस से अलग किया गया?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shri Sharad Yadav, not present. Shri Anand Sharma. ...*(Interruptions)*...

श्री अली अनवर अंसारी : सर, शरद यादव जी की जगह श्री हरिवंश जी बोलेंगे।

श्री उपसभापति : शरद यादव जी नहीं हैं, तो श्री आनन्द शर्मा।

श्री के.सी. त्यागी (बिहार) : नहीं, सर, शरद यादव जी की जगह हरिवंश जी बोलेंगे।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No; no. I can call only those who have given their names. ...*(Interruptions)*... Shri Shantaram Naik. ...*(Interruptions)*... No; No. आपका नाम इधर है ...*(Interruptions)*... When Sharad Yadavji will come. I will call him. ...*(Interruptions)*...

SHRI K.C. TYAGI: What will happen if he does not come?

---

*Expunged as ordered by the Chair.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I will see to it.

SHRI K.C. TYAGI: I am telling you that he is not coming. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: That is, okay. But the clarifications go by Members' names and not by parties' names. ...*(Interruptions)*...

SHRI K.C. TYAGI: It is not by party alone, that is why I have ...*(Interruptions)*...

श्री उपसभापति : त्यागी जी, देखिए, मैंने अभी शरद यादव जी का नाम लिया, वे नहीं हैं। आपका नाम मेरे पास लिखा है, I will call you आपका नाम इधर है। I will call you when your turn comes. What are you doing? ...*(Interruptions)*... What is your point?

श्री के.सी. त्यागी : सर, मेरा कोई प्वाइंट नहीं है और न ही मेरा कोई प्वाइंट ऑफ ऑर्डर है। मेरा सब्मिशन है, as the Chief Whip of the Party, I have given the name of Shri Harivansh. Neither me nor Shri Sharad Yadav would be speaking. ...*(Interruptions)*... That is why, I have given his name. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: That is what I am saying. Now listen to me. अब आप सुनिए, शरद यादव जी और हरिवंश जी, ये दोनों नाम मेरी लिस्ट में हैं। मैंने अभी शरद यादव जी का नाम बुलाया, वे नहीं हैं। हरिवंश जी की टर्न के समय उनको बुलाएंगे। ...**(व्यवधान)**...

श्री के.सी.त्यागी : सर, मैंने शरद यादव जी से पूछकर ही उनका नाम दिया है...**(व्यवधान)**

श्री उपसभापति : मैं कह रहा हूं कि मैं उनका नाम बुलाऊंगा, लेकिन उनकी टर्न आने पर ही उनका नाम बुलाऊँगा। आपकी चिट्ठी मेरे हाथ में है। मैं उनकी टर्न पर उनको बुलाऊँगा।

Now, Shri Shantaram Naik.

SHRI SHANTARAM NAIK (Goa): Sir, the whole House is aware that it was Friday last, I raised an issue during the Zero Hour on the issue of Purti Sakhar Karkhana Ltd., I got the support from almost all the sections of the House. And, there was such an explosion in the House on that day because the Members had realised that that was a very serious matter. And, since then, this episode is going on. This is the third day. During my Zero Hour submission, I had quoted the contents of paragraph 5.4.1 of the Report. Kindly explain, point by point, whether the contents of that paragraph and the facts that are mentioned in the CAG Report are false. If they are false, you please say so in your reply.

Secondly, you had also been the Minister of PWD in the Government of Maharashtra. Can you tell this House that your activities as the PWD Minister, when you built so many flyovers, roads, highways, ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: That is not within the scope of this discussion. ...*(Interruptions)*...

SHRI SHANTARAM NAIK: I am again telling you that...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: That is not within the scope of this discussion and he is not bound to reply to it. ...*(Interruptions)*... That is not within the scope of this discussion. ...*(Interruptions)*...

SHRI SHANTARAM NAIK: In a non-performing asset...*(Interruptions)*... When he did not have ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shantaram Naikji, that is not within the scope of this statement. ...*(Interruptions)*...

SHRI SHANTARAM NAIK: This is not related to the CAG. I am a member of the Public Accounts Committee. I am aware of...*(Interruptions)*...

SHRI PRAKASH JAVADEKAR: Sir, I have a point of order. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Yes, what is your point of order? ...*(Interruptions)*...

SHRI PRAKASH JAVADEKAR: Sir, my point of order is...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: One second. ...*(Interruptions)*... Mr. Shantaram Naik, your time is over. ...*(Interruptions)*... Time is over. ...*(Interruptions)*... Your time is over. ...*(Interruptions)*... What is your point of order, Mr. Javadekar? ...*(Interruptions)*...

SHRI SHANTARAM NAIK: How can Mr. Gadkari say that ... ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Shantaram, please. ...*(Interruptions)*...

SHRI PRAKASH JAVADEKAR: Sir, I am raising a point of order. Please listen to me. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Shantaram, your time is over. ...*(Interruptions)*... Please sit down. ...*(Interruptions)*...

SHRI SHANTARAM NAIK: Sir, how do you say that? ...*(Interruptions)*... It is injustice. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Your time is over. It is already four minutes. ...*(Interruptions)*... Please sit down. ...*(Interruptions)*... No, please. ....*(Interruptions)*...

Mr. Shantaram, please. ....*(Interruptions)*... Your time is over. ...*(Interruptions)*... Mr. Shantaram Naik, please. ...*(Interruptions)*... Your time is over. ....*(Interruptions)*.. No, please. ...*(Interruptions)*... Please sit down. ...*(Interruptions)*... It is not going on record. ...*(Interruptions)*... Mr. Shantaram Naik, it is not going on record. ...*(Interruptions)*... Now, Shri Javadekar. ...*(Interruptions)*...

श्री प्रकाश जावडेकरः सर, मुझे आपसे प्रोटेक्शन चाहिए। ...**(व्यवधान)**... I want protection because.. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I am in a position where I need your protection. ...*(Interruptions)*...

SHRI PRAKASH JAVADEKAR: Sir, for ten years, I wanted to raise points based on CAG report. You did not allow us even to say 'CAG' and now you are allowing everything to be referred to. The CAG Report was never allowed to be ... ...*(Interruptions)*... One minute. ....*(Interruptions)*... मेरा point of order है। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, please listen to that. ....*(Interruptions)*... Mr. Balagopal, let him say. ...*(Interruptions)*... Let him say. Listen to that. .... *(Interruptions)*...

SHRI PRAKASH JAVADEKAR: Listen to us. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please sit down. आप बैठिए। ...**(व्यवधान)**... You listen to that. ...*(Interruptions)*... Why don't you listen to that? ...*(Interruptions)*... Please sit down. ....*(Interruptions)*... Mr. Javadekar, you proceed. ...*(Interruptions)*... Listen to that. आप बैठिए। ...**(व्यवधान)**... Listen to that. ...*(Interruptions)*... Please listen to that. ...*(Interruptions)*... Mr. Khan, nothing is going on record. ...*(Interruptions)*... Okay, I am going to the next person. Shri Anil Desai.

SHRI ANIL DESAI (Maharashtra): Sir, Purti Sakhar Karkhana Limited is a company which is basically based on cooperative principles and the capital is subscribed to the company by persons or entities with the sole objective of encouraging farmers of Vidarbha by way of generating employment and raising their standard of living ... *(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, please. He is expressing his views. Why do you interrupt?

SHRI ANIL DESAI: ...and, at the same time, dissuading them from following the path of suicides. This objective is very much in the offing from the way things are going

[Shri Anil Desai]

on because I come from Maharashtra, and we have seen how this particular venture is working. Steps were taken to make this venture successful and to avail whatever facilities are there by way of availing loan in order to run the organization properly and fulfil the objective of, maybe, profit or repaying the creditors. If the promoters, if the Directors or if the management is not successful after putting on a lot of efforts, then the remaining things come. Here the way IREDA had extended the loan or it had given the push by way of a loan and the purpose for which it was given, when the management saw that it was not fulfilling or it was not able to fulfil the object, the next ...*(Interruptions)*...

SHRI MANI SHANKAR AIYAR: Sir, is he seeking a clarification? ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I have permitted him. ...*(Interruptions)*... I have allowed him three minutes. ...*(Interruptions)*... Please sit down. ...*(Interruptions)*... No, no, you cannot question that. ...*(Interruptions)*... I have allowed him three minutes. .... *(Interruptions)*... Please sit down. ...*(Interruptions)*....

SHRI ANIL DESAI: Sir, they have spoken their minds. It is very much my right to put forward my views. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, no, that is up to me to know. ...*(Interruptions)*... Please sit down. ...*(Interruptions)*...

SHRI ANIL DESAI: They should know what the decision is. ...*(Interruptions)*... Now, by doing this, ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Only what Shri Anil Desai says will go on record. Nothing else will go on record. ...*(Interruptions)*... Please sit down. ...*(Interruptions)*... Sit down. ...*(Interruptions)*...

SHRI ANIL DESAI: Sir, my point is, they are tarnishing the image of the House. ....*(Interruptions)*... They are diminishing the image of the House. ...*(Interruptions)*...

SHRI MANI SHANKAR AIYAR: *

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Only what he says will go on record. ...*(Interruptions)*... Sit down. ...*(Interruptions)*... I have allowed him. ...*(Interruptions)*... Sit down. ...*(Interruptions)*... It is not going on record. ...*(Interruptions)*... Mr. Desai, you go ahead. ...*(Interruptions)*... Mr. Mani Shankar Aiyar, sit down, please. ....*(Interruptions)*...

---

*Not recorded.

SHRI ANIL DESAI: Sir, when Mr. Anand Sharma spoke, he spoke of holding up the image of the House. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You make your points. Don't refer to them. ...*(Interruptions)*... Don't refer to them. You say what you have to say. ...*(Interruptions)*...

SHRI ANIL DESAI: : Sir, you extend my time. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Nothing else will go on record. ...*(Interruptions)*... Only what Mr. Anil Desai says would go on record. ...*(Interruptions)*... Sit down. It is not going on record. ...*(Interruptions)*... Mr. Hanumantha Rao, sit down. Mr. Mani Shankar, sit down. ...*(Interruptions)*...

SHRI ANIL DESAI: Sir, as per the recommendations of the CAG ...*(Interruptions)*... Sir, if you look at the observations of the CAG, there is nothing mentioned. ...*(Interruptions)*... They have come out with certain observations. These observations need to go to the PAC, the Public Accounts Committee. ...*(Interruptions)*... That would give its remarks. That would come with its recommendations to the House and, accordingly, Government would take action on the recommendations. They are saying that I am not referring to the CAG Report. They should speak when their turn comes. What I am saying is... ...*(Interruptions)*... I have all the liberty to speak because I have seen how this project is coming up. It is meant for the farmers. If they are really thinking of the betterment of farmers... ...*(Interruptions)*... This project very much belongs to the farmers, Sir. And whatever has been done... ...*(Interruptions)*... Repayment of One-Time Settlement is very much ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay; sit down. Shri Tapan Kumar Sen. ...*(Interruptions)*...

SHRI ANIL DESAI: When the UPA Government ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Time over. ...*(Interruptions)*... Shri Tapan Kumar Sen. ...*(Interruptions)*... Mr. Anil Desai, sit down. It is not going on record. Sit down. ...*(Interruptions)*...

SHRI ANIL DESAI: *

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Anil Desai, it is not going on record. Sit down. You have taken four minutes.

SHRI ANIL DESAI: *

*Not recorded.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You have taken four minutes, sit down. Now, Shri Tapan Kumar Sen.

SHRI ANIL DESAI: *

MR. DEPUTY CHAIRMAN: It is not going on record. Shri Tapan Kumar Sen.

SHRI TAPAN KUMAR SEN (West Bengal): Thank you, Mr. Deputy Chairman, Sir.

I wish to seek certain clarifications from the hon. Minister. I am not casting aspersions or insinuations on any person or any organization. The CAG Report has come. I am not talking about the CAG Report also, because on the CAG Report the hon. Minister has made a statement; it is on that that I wish to seek clarifications. So, Mr. Prakash Javadekar, don't raise a point of order! It is out of that.

Sir, I looked into it in the context of the hon. Minister's statement on the Report. The Report cannot be totally wished away. As per my understanding, there are certain cases of illegitimacy and impropriety which need to be addressed. It is my opinion and you may either accept it or not accept it, but the OTS business is something that is wrong. And, not only now, even during the earlier regime, I had raised the issue. The One-Time Settlement system is a kind of amnesty scheme being exercised on account of public money. A person takes a loan from the bank. Thereafter, one-time settlement is made and he need not pay the full dues! That itself is wrong. For that I cannot blame only the hon. Minister. It is the entire system against which our Party is fighting. Secondly, in this case, the purpose for which the resources flowed under the particular scheme has not been served. Even then, that money was utilized gainfully. Instead of green energy, coal energy was produced. And definitely energy was produced, not for philanthropy, but for business. It earned a certain revenue. But it was not shared, and that is what the CAG has clearly pointed out. I think the purpose for which the loan had been taken was not served, even if you paid back the loan. Of course, there was an amnesty of about ₹ 12 crores. The total assessment was ₹ 84 crores and payment made was ₹ 72 crores. So, there was an amnesty of ₹ 12 crores. But the purpose for which the funds flowed and should have been utilized, that is, for generating green energy, was not met. I think, here lies the basic illegitimacy that the CAG has clearly pointed out. Now, the hon. Minister has given his own explanation. But this point does not stand explained by that. There are other aspects as well which I am not going into because time would not permit. I am not going into those other aspects. There are doubts, the manner in which the CAG has reported, about

*Not recorded.

the credentials and ownership of many of the companies. Now, here is the question. There are eight other companies. What action has been taken against companies which have not paid even a single pie?This is a part of the whole thing. But, again, that cannot exonerate this case, particularly on the point of illegitimacy and impropriety. I have raised it and requested that the hon. Minister should give a clear clarification on it.

श्री हरिवंश (बिहार) : माननीय उपसभापति जी, आपने मौका दिया, मैं आभारी हूँ। पिछले दो दिनों से लगातार भ्रष्टाचार, घोटाला और इस तरह के ऐसे अनेक शब्द हम सब सुन रहे हैं, जो हमारे राजनीतिक जीवन में, हमारी राजनीतिक प्रणाली में नहीं होने चाहिए।

मैं इस संबंध में एक प्रसंग सुनाना चाहता हूँ कि हमारी विरासत क्या रही है और आज हम कहाँ खड़े हैं कि ऐसे सवालों पर हमें बातचीत करनी पड़ रही है। इस साल भारत सरकार ने पंडित मदन मोहन मालवीय को "भारत रत्न" दिया। मालवीय जी आज़ादी की लड़ाई के शिखर पुरुषों में थे। ...**(व्यवधान)**... मैं सीएजी पर ही आ रहा हूँ। ...**(व्यवधान)**... आप मेरी बात सुनें। मालवीय जी जब वाइस चांसलर थे, तब की एक घटना है। सर, उनके घर में दो किचन थे। एक उनके निजी परिवार के लिए था और दूसरा उनके लिए था। एक दिन उनका एक पोता बिना खाए परीक्षा देने गया, मालवीय जी भी भूखे रहे। जब वह बच्चा लौटकर आया, तब उसने मालवीय जी से पूछा कि आप भी भूखे रहे, मुझे भी भूखा रखा, क्यों? मालवीय जी ने जो जवाब दिया, उसे हम सबको अपने सार्वजनिक जीवन में याद रखना चाहिए, तो यह स्थिति नहीं बनेगी। मालवीय जी ने कहा कि देखो, मेरे किचन का अन्न, देश का जो गुप्त परिवार है, जो आज़ादी की लड़ाई में सबसे बड़ा दान देने वाला है, जिसने काशी विश्वविद्यालय की स्थापना की और जिसने भारतमाता मंदिर बनाया, उस परिवार से दान में आया हुआ है, जिसे मैं खाता हूँ। घर में जो दूसरा किचन है, उसमें घर के श्रम से उपार्जित अन्न है, जिससे वह किचन चलता है। तुम लोगों ने देश की आज़ादी की लड़ाई के लिए, देश के सार्वजनिक जीवन के लिए कुछ नहीं किया है, इसलिए वह अन्न मत खाओ। यह हमारी सार्वजनिक मर्यादा रही है, सर।

सर, मैं आपको बताना चाहूँगा, मैं पंडित जी और गांधी जी की बात छोड़ दूँ, वे बहुत बड़े लोग थे। मैं लाल बहादुर शास्त्री, कामराज जी, रामसेवक सिंह, भोला पासवान शास्त्री और ऐसे अनेक लोगों के प्रसंग सुना सकता हूँ, जिन्होंने जो जीवन जीया, उससे उन्होंने एक नैतिक मापदंड स्थापित किया। आज हमारे राजनेता, चाहे इधर के हों या उधर के हों, हम क्या जीवन जी रहे हैं? हम एक-दूसरे पर किस किस्म के आरोप लगा रहे हैं? अगर हमें इनसे बचना है, तो हमें अपनी पुरानी विरासत और पुराने आदर्शों की ओर लौटना होगा। सर, मैं यही निवेदन करना चाहता हूँ कि अगर हम अपने आदर्शों पर होते, तो दो वर्ष से संसद, इधर से या उधर से, ये हालात देखने को नहीं मिलते और हम कम से कम आत्मसम्मान से यह कहते कि हम राजनीति में हैं, हम उस परम्परा की राजनीति में हैं, जिसमें मालवीय जी, गांधी जी, जयप्रकाश जी, जवाहरलाल नेहरू जी और कामराज जी जैसे लोग रहे हैं। वे बहुत महान व्यक्ति थे। सर, हम उन्हें याद रखें, यही मेरी गुजारिश है। धन्यवाद।

SHRI D. RAJA (Tamil Nadu): Sir, in the statement made by the Minister, he has frequently referred to one-time settlement. If a company incurs genuine loss and if a company is not in a position to pay back its loans, it goes for one-time settlement. Since

[Shri D. Raja]

the Finance Minister is sitting here, I would like to ask him if this one-time settlement needs to be redefined. It has become a source of corruption; it has become a source of wilful default. I find that it is the root cause for the huge NPAs that our banks have got. The Finance Minister should take note of it. Now, I am asking the Minister. Did the said company, Purti, use this one-time settlement as a means to do wilful default? Otherwise, why has the CAG made a reference to this company? There is a reason for CAG to make reference to this company because of this manipulation for wilful default. The Minister has to clarify it. Having said that, the case is not just financial. The question is: Can a non-conventional energy-generating company be automatically converted into a conventional power-generating unit? In this case, it is 'thermal'. Was the permission for non-conventional energy unit cancelled? Was a fresh permission for thermal power station taken?I am asking this because the procedure for both is different, not the same. And, moreover, when you talk of clean energy, or other things, the forest, the Muniya Forest, is just three to four kilometres away from the said Ideal Power Plants. How does it protect the environment? The Minister should explain it. Otherwise, there is no point in blaming the CAG. The CAG goes into the accounts and it gives its Report in the interest of the country, whether country incurs any loss or not, whether country's Exchequer faces loss because of this company. We are not saying that. There is no point in blaming the CAG. Why should CAG mention the Company in which he is involved? The CAG could have mentioned several other companies. Why did it mention this Purti Company? So, there is something which needs to be explained and the Minister should explain this to the House.

श्री आनन्द शर्मा : सर, जिस विषय पर बात हो रही है, मैं कोई वह बात नहीं दोहराऊंगा जो माननीय सदस्यों ने पहले कह दी। दूसरी बात, हमारी कोई मंशा यहां का वातावरण खराब करने की नहीं है, क्योंकि सदन में एक रिपोर्ट आई थी इसलिए यह प्रश्न उठा। माननीय मंत्री गडकरी जी ने जो कहा है, हम स्वीकार करते हैं कि आपका अधिकार है, आपकी कम्पनी का अधिकार है कारोबार करने का, कर्जे लेने का, प्रोजेक्ट बनाने का। लेकिन आपने अपने बयान में यह कहा कि आपको बगास से अलग हटना पड़ा, क्योंकि गन्ने का उत्पादन नहीं हो रहा था। अभी भी आपने कहा कि किसान आत्महत्याएं कर रहे थे। तो उससे एक प्रश्न उठता है, क्योंकि वन टाइम सेटलमेंट का केस है कि अगर इसका मतलब माली हालत अच्छी नहीं थी, कर्जा लेना तो अधिकार था, अगर ऐसी बात थी तो आपने कर्जा लिया और आपने स्वयं कहा कि हमने कर्जा लिया और हमने गारंटी के साथ दिया, मैं आपकी बात को मानने को तैयार हूं। परन्तु एक बात उठती है, जब आप कर्जा भी ले रहे थे, वन टाइम सेटलमेंट भी हो रही थी, गन्ने का उत्पादन नहीं हो रहा था जिसे आपको बदलना पड़ा कोयले की तरफ, तो उस समय इसी कम्पनी ने दो शक्कर के कारखाने -शुगर मिल्स लीं, एक वैनगंगा भंडारा में और दूसरी वर्धा में। तो दो शुगर मिल उसी समय में लीं जिस समय गन्ने का उत्पादन नहीं था, पैसा

नहीं था कर्जा लेना था, इस पर आप जरा स्पष्टीकरण दे दें। इसको भी आप स्पष्ट कर दें, क्योंकि वह उसी समय में हुआ था जब आप उसमें थे। मेरा सिर्फ यही क्लेरिफिकेशन है, उसको स्पष्ट कर दें।

श्रीमती रजनी पाटिल (महाराष्ट्र) : सर, आपके माध्यम से मैं मंत्री जी को तीन सवाल करना चाहती हूं। एक तो पूर्ति सहकारी कारखाना था। उसको आपने सहकार कारखाना कर दिया, लिमिटेड कम्पनी कर दिया। तो एक्च्युअली सहकार कारखाने का मतलब, हमारे हिन्दुस्तान में खास तौर से महाराष्ट्र में किसानों के लिए शुगर फैक्टरी खोलने का मतलब यह होता है। लेकिन किसानों की जगह कुछ कम्पनियों ने आकर यह सहकार कारखाना टेकओवर कर लिया जिसमें आई0आर0बी0 उसका रिफ्रेंस भी आया है, इस कम्पनी का सबसे ज्यादा स्टेक रहा। सर, 2000 से 2008 तक गडकरी साहब इसके चेयरमैन रहे हैं। और उसी टाइम पर यह * सामने आया है। 39 कम्पनियां इसमें शामिल थीं, जिनका बहुत बड़ा स्टेक था और एक इंटरलिंक करके हजार से बारह सौ कम्पनी टोटल हो गई हैं। सर, इन सभी के एड्रेसेज झुग्गी-झोंपड़ियों में हैं।...**(व्यवधान)**...

श्री मुख्तार अब्बास नक़वी : सर, यह * वर्ड एक्सपंज करिए। Where is the word* in the CAG Report? ...*(Interruptions)*... सी0ए0जी0 रिपोर्ट में कहीं * नहीं लिखा है।...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I will go through the record.

श्रीमती रजनी पाटिल : इतना ही नहीं, गडकरी जी के जो नौकर हैं, ड्राइवर हैं, मुनीम हैं इन सब के लाखों रुपए के शेयर्स इस कम्पनी में रहे हैं। अगर ऐसे हमारे भी ड्राइवर होते तो हम भी बहुत खुश रहते। यहां पर मुझे एक ही बात कहनी है कि यह सब करते समय जिस विदर्भ की भाषा यह करते हैं, जिस विदर्भ की भाषा यह सरकार बोलती है उसी विदर्भ में अगर आत्महत्याएं होती हैं तो इन्होंने इन किसानों की क्या वचन पूर्ति की, यह मुझे पूछना है। सर, पूर्ति शुगर फैक्टरी में बगास बेस शुगर फैक्टरी खोलने का सोचा।लेकिन उन्होंने बाद में कहा कि हमारे पास गन्ना नहीं था, raw material नहीं था और हमने इसे कोल बेस कर दिया। तो जब इन्होंने गन्ना बेस फैक्ट्री के लिए लोन लिया था, उस समय क्या वहां गन्ना उपलब्ध था?

सर, आदरणीय फाइनेंस मिनिस्टर यहां मौजूद हैं, मैं उनसे पूछना चाहती हूं कि जब कोई कंपनी ओटीएस करती है, तो बगैर एनपीए में जाए उसका ओटीएस नहीं हो सकता। इस का मतलब साफ है कि जब पूर्ति कंपनी में ओटीएस हुआ तो वह एनपीए में गयी थी, जहां आप बता रहे हैं कि गन्ना उपलब्ध नहीं है, लेकिन उसी समय इन्होंने दो फैक्ट्रीज उसी विदर्भ में महात्मा और वैनगंगा ले लीं। ये सभी सरकारी योजनाएं आपने अपने हित में ली हैं। सर, सीएजी रिपोर्ट यह स्पष्ट करती है कि सब्सिडी के पैसे अनधिकृत रूप से इरेडा को दिए गए हैं जब कि मंत्री जी बार-बार बोल रहे हैं कि सब्सिडी का एक भी पैसा पूर्ति ने नहीं लिया है। मंत्री जी इस बारे में स्पष्टीकरण दें। गडकरी जी, मैं आप से एक ही दरख्वास्त करना चाहती हूं कि Caesar's wife must be above suspicion. आपको suspicion के घेरे में नहीं रहना चाहिए। मैं इतना ही कहकर अपनी बात समाप्त करती हूं।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay. Hon. Members, all the names which I got in time are exhausted, but I have got two names late; Mr. Narendra Kumar Kashyap and Mr. Ramdas Athawale. Now, Mr. Kashyap, please.

---

*Expunged as ordered by the Chair.

श्री नरेन्द्र कुमार कश्यप (उत्तर प्रदेश) : माननीय उपसभापति महोदय, चूंकि आज तीसरा दिन है जब कि यह सदन काम नहीं कर पा रहा है और जो विषय चल रहा है, वह कुछ मुद्दों को लेकर सवालिया निशान पैदा कर रहा है। मैं आरोप-प्रत्यारोप पर बहुत ज्यादा बात नहीं करूंगा, माननीय मंत्री जी, जिन पर सीएजी की रिपोर्ट के आधार पर आरोप लगा है, लेकिन एक जरूरी बात उनसे पूछना चाहूंगा कि जिस मद के लिए आपने लोन भी लिया और आप उसे चुकाने की बात भी कह रहे हैं, बाद में गन्ने की उपलब्धता न होने की वजह से उसे divert भी किया गया। हम जानना चाहते हैं कि यह लोन का धन, जोकि किसानों की बेहतरी के लिए मिला होगा, उस को divert किस नियम के आधार पर किया गया? क्या उसे divert करने से किसानों का नुकसान नहीं हुआ होगा?

श्री रामदास अठावले (महाराष्ट्र): डिप्टी चेयरमैन सर, इस august House में जो चर्चा चल रही है, लेकिन मुझे लग रहा है कि नितिन गडकरी जी एक ईमानदार नेता और कार्यकर्ता हैं। उन्होंने पूर्ति कपनी विदर्भ में शुरू की, उस समय किसानों द्वारा आत्म-हत्याएं बढ़ रही थीं और विदर्भ का डेवलपमेंट नहीं हुआ था, इसीलिए गडकरी जी ने पूर्ति कंपनी शुरू की। सर, और लोगों ने भी बहुत सी कंपनियां शुरू की हैं। ..**(व्यवधान)**... आप भी कंपनी शुरू करो, हम भी करेंगे, तभी देश का विकास होगा। अगर बेरोजगारों को रोजगार देना है, तो यह करना पड़ेगा। डिप्टी चेयरमैन सर, मेरा कहना इतना ही है कि नितिन गडकरी जी की कंपनी के नाम पर उन्हें बदनाम करने का प्रयास हो रहा है और अगर घोटाले की चर्चा करनी है, तो कोयला घोटाले का क्या हुआ, कॉमन वैल्थ गेम्स घोटाले का क्या हुआ और 2जी Spectrum का क्या हुआ? ..**(व्यवधान)**..

SHRI P. KANNAN: Sir, he is speaking something else. ..*(Interruptions)*...

श्री रामदास अठावले : इसलिए मुझे लगता है कि अपने देश की प्रगति के लिए इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट की आवश्यकता है। हमारे यहां खेती प्रमुख उद्योग तो है ही, लेकिन और भी उद्योगों के निर्माण की आवश्यकता है। नितिन गडकरी जी ने भारी उद्योग में दो कारखाने शुरू किए। अभी रजनी बहन ने कहा कि इन्होंने ये कारखाने क्यों शुरू किए? मैं पूछता हूं कांग्रेस के लोगों ने कितने शुरू किए? ..**(व्यवधान)**..

SHRI ANAND SHARMA: Sir, he is not speaking on the Minister's statement. ..*(Interruptions)*...

श्री रामदास अठावले : अब सीएजी की रिपोर्ट में नितिन गडकरी जी के पूर्ति कारखाने के बारे में जो लिखा है, उसके बावजूद उन्होंने उत्तर में अपनी भूमिका स्पष्ट की है। नितिन गडकरी जी, तुम आगे बढ़ो, हम तुम्हारे साथ हैं। ..**(व्यवधान)**.. जो लोग हंगामा करते हैं, करने दो, मैं और मेरी पार्टी आपके साथ हैं।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay, Now, Shri Nitin Gadkari.

श्री नितिन जयराम गडकरी: सम्माननीय उपसभापति महोदय, पहली बात तो यह है कि यह प्रोजेक्ट इंटीग्रेटेड था। इसमें गन्ना लगाने के बाद गन्ने के जूस से शुगर बनती है, मोलासेस से इथनोल बनता है और गन्ने के बगास से बिजली बनती है। इंटीग्रेटेड होने के नाते इस गन्ना मिल को कॉपरेटिव

बैंकों ने कर्जा दिया था, इथनोल के लिए बैंक ऑफ महाराष्ट्र और स्टेट बैंक ऑफ इन्दौर ने कर्जा दिया था और ग्रीन पावर के लिए इरेडा ने कर्जा दिया था। वहां जो दो फैक्टरीज थीं, वे कांग्रेस के नेता की ही थीं, जिन्होंने हमें बगास देने का वादा किया था। हमारे क्षेत्र में 22 फैक्टरीज कांग्रेस के नेताओं ने लगाईं, लेकिन दुर्भाग्यवश वे लगभग 22 की 22 खत्म हो गईं। विदर्भ में आज केवल तीन फैक्टरी चल रही हैं, जो हमारी हैं। रजनी ताई, जिन दो फैक्टरियों का जिक्र आपने किया है, ये वर्धा जिले और भंडारा जिले में हैं। भंडारा जिले में जो फैक्टरी थी, वह जो कांग्रेस के एमएलए थे, उनकी थी, पूरा उसका दीवाला पिट चुका था। मैंने इसको किसानों के हित में चालू करवाया। दूसरी जो फैक्टरी थी ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No; please listen. . ..*(Interruptions)*... Please listen. ..*(Interruptions)*.. No, no; not allowed. ...*(Interruptions)*... Mr. Khan, sit down. ...*(Interruptions)*...

श्री नितिन जयराम गडकरी: दूसरी जो फैक्टरी थी, वह वर्धा जिले में मुरगु वानखेड़े की थी। पूर्ति नागपुर जिले में है और वह वर्धा जिले में है। उस फैक्टरी का भी दीवाला पिट चुका था। आप नाराज मत होना, दर्डा जी आपको बताएंगे, विदर्भ में जितने कांग्रेस के लोगों ने फैक्टरियां खोलीं, उनका पूरा दीवाला पिट चुका है, केवल तीन फैक्टरी बची हैं और उन्होंने बैंकों का पैसा भी नहीं दिया। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please listen to him.

श्री नितिन जयराम गडकरी: मैं आपको यह भी बताना चाहता हूँ। उपसभापति महोदय, इस फैक्टरी पर तीन लोगों का कर्जा था। अब सीएजी कहती है कि आपने एकाउंट में पैसा क्यों जमा नहीं किया? तब कॉपरेटिव बैंकों ने ऑब्जेक्शन लिया कि हमारा भी अधिकार है और बैंक ऑफ महाराष्ट्र और स्टेट बैंक ऑफ इन्दौर ने भी ऑब्जेक्शन लिया। उसके एकाउंट में जो पावर का पैसा जमा नहीं कर पाए, तो उसका जवाब हमने इरेडा को दिया। आपने बहुत अच्छी बात कही, जो आपने शंका उपस्थित की, यह बात जरूर है कि इरेडा ग्रीन पावर के लिए है और इसलिए ग्रीन पावर के लिए जो पैसा मिलता है, वह कोयले के पावर के लिए यूज़ करना गलत होगा। आपकी यह बात बिल्कुल सही है। इसलिए हमने इरेडा को पत्र लिखा, मैं आपको इस पत्र की कॉपी देना चाहता हूँ, इस पत्र की तारीख 14 सितंबर, 2009 है, जो हमारे मैनेजिंग डायरेक्टर ने इरेडा के मैनेजिंग डायरेक्टर मिस्टर मजूमदार को लिखा। इसकी कॉपी मैं आपको देता हूँ, जो आप माननीय सदस्यों को भी दे दीजिए। इसमें हमने रिक्वेस्ट की कि हमारे क्षेत्र में जो तीन फैक्टरी थीं बगास की, वे बंद पड़ गई हैं। हमें 10 परसेंट बगास मिल रहा है, क्योंकि गन्ना लगा नहीं। अब हमारे पास पर्याय यह है कि या तो फैक्टरी को बंद रखना होगा या बगास के बजाय कोयले पर चलाना होगा। अगर कोयले पर चलाएंगे, तो आपका ऑब्जेक्शन आएगा कि ग्रीन पावर के लिए लोन लिया है, जैसा आपने कहा। हमने खुद आगे आकर, हमने कोई फाइनेन्शियल इरेगुलेरिटी नहीं की, हमारा एकाउंट एनपी हो गया था। हमसे इरेडा ने कोई पैसे नहीं मांगे थे। हम फाइट ऑफ कर रहे थे, क्योंकि हमें करना था। हमने खुद एप्लीकेशन दी कि अब यह ग्रीन पावर नहीं हो रहा, इसलिए आप हमें कोयले में लगाने को कहें, नहीं तो हम पैसे चुका नहीं सकते हैं। इरेडा को हमने यह एप्लीकेशन दी और इरेडा ने उसे स्वीकार किया। इसके कारण इरेडा के पैसे हमने वापस किए। यह कोई ओटीएस नहीं है। पहली बात सब्सिडी हमने एक रुपए की नहीं ली।

[श्री नितिन जयराम गडकरी]

...**(व्यवधान)**... पहले आप सुन लीजिए। दिग्विजय जी, शांति से सुनो। मध्य प्रदेश के कोर्ट में जैसा एफिडेविट करने का काम हो, ऐसा मैंने नहीं किया। ...**(व्यवधान)**...

श्री दिग्विजय सिंह: माननीय उपसभापति जी, माननीय गडकरी जी इस हाउस को मिसलीड कर रहे हैं।... **(व्यवधान)**... आप सुन लीजिए।

श्री नितिन जयराम गडकरी: चलिए, मैं वापस लेता हूँ। I am taking it back. ...*(Interruptions)*... I am taking it back.

श्री उपसभापति: उन्होंने विदड्रा कर लिया। He has taken it back. ...*(Interruptions)*...

SHRI DIGVIJAYA SINGH: Sir, I strongly object to his remarks. ...*(Interruptions)*... I have a lot of things to say against ...*(Interruptions)*...

श्री उपसभापति: विदड्रा कर लिया। ...**(व्यवधान)**... He has withdrawn it. ...*(Interruptions)*...

SHRI DIGVIJAYA SINGH: Why was he not allowed ..*(Interruptions)*..

MR. DEPUTY CHAIRMAN: He has withdrawn it. ..*(Interruptions)*.. अब बैठिए, बैठिए।

श्री नितिन जयराम गडकरी: इरेडा, यह भारत सरकार का संस्थान है और जो नॉन-कन्वेंशनल एनर्जी का है, यह भारत सरकार का डिपार्टमेंट है। उस समय यूपीए का राज था। भारत सरकार के डिपार्टमेंट ने सब्सिडी इरेडा को दी, हमारे नाम से जो सब्सिडी थी, उसे इरेडा ने रिसीव किया। ...**(व्यवधान)**... मैं अगर गलत बोल रहा हूँ, तो मेरे ऊपर लाइए।उपसभापति महोदय, पहली बात तो यह है कि जो सब्सिडी 1.67 करोड़ की थी, वह भारत सरकार के विभाग ने इरेडा को दी, हमने एक रुपया भी सब्सिडी का नहीं लिया। दूसरी बात है कि हमने खुद ही इरेडा को कहा कि अब हम कोयले से अपनी फैक्ट्री चलाएंगे और यह ग्रीन फ्यूल पर नहीं चलेगी, इसलिए हम आपका लोन वापस करना चाहते हैं। ...**(व्यवधान)**... मैं फिर से बता रहा हूं, आप मुझे बोलने दीजिए। पूर्ति शुगर फैक्ट्री में सब्सिडी का एक रुपया भी जमा नहीं हुआ है। यह पूरा पैसा भारत सरकार ने ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Sit down. ...*(Interruptions)*... Sit down.

श्री नितिन जयराम गडकरी: महोदय, इसके बाद भी जो उन्हें कहना है, वह बाद में कह सकते हैं। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Sit down. ...*(Interruptions)*... Sit down. ...*(Interruptions)*...

श्री नितिन जयराम गडकरी: उपसभापति महोदय, इसके बाद इरेडा का कर्जा वापस किया, जिसका उल्लेख यहां किया गया है। एक माननीय सदस्य ने कहा और रिकॉर्ड में भी आई.आर.बी.

नाम का उल्लेख आया है, इसलिए मुझे कहना पड़ेगा और जवाब देना पड़ेगा। ...**(व्यवधान)**... देखिए, आप में से बहुत से लोग मुझे जानते नहीं हैं। मैं हिन्दुस्तान का एकमात्र राजकीय नेता हूं, जिसने 4 हजार करोड़ रुपए, सर, याद रखना और आंध्र प्रदेश के संदर्भ में पूछ लेना, 4 हजार करोड़ रुपए की कैपीटल मार्केट में खड़ी की और 8 हजार करोड़ रुपए के काम किए। जब मुम्बई-पुणे एक्सप्रैस हाइवे बना, तो 3600 करोड़ का लोएस्ट टेंडर आया था। ...**(व्यवधान)**...

SHRI DIGVIJAYA SINGH: Is it a part of CAG Report? ...*(Interruptions)*... Is it a part of CAG Report? ...*(Interruptions)*...

श्री नितिन जयराम गडकरीः सर, उन्होंने मुझे कहा था। यहां हाइवे की बात हो और मैं उसका जवाब न दूं, यह नहीं हो सकता है। ...**(व्यवधान)**...

SHRI DIGVIJAYA SINGH: He is deviating the issue, Sir. ...*(Interruptions)*... Is it a part of CAG Report? ...*(Interruptions)*...

श्री उपसभापतिः बैठिए, बैठिए। Listen to him. Sit down. ...*(Interruptions)*... Sit down. सुन लीजिए। ...**(व्यवधान)**...

श्री नितिन जयराम गडकरीः सर, इतना काम किया और उसके बाद 10 साल तक कांग्रेस की सरकार रही और मेरे खिलाफ एक भी इन्क्वायरी नहीं, एक भी ऑडिट रिपोर्ट नहीं, कोई कार्रवाई नहीं। ...**(व्यवधान)**...मैं कहना चाहता हूं कि जब यह कर्जा चुकाया गया, तो अपना घर गिरवी रखकर कर्जा चुकाया। एक नॉन-बैंकिंग इंस्टीट्यूशन की कंपनी थी, उसने 12 परसेंट की दर पर बैंक से कर्जा लिया और 2 परसेंट प्रॉफिट एड कर के 14 परसेंट पर हमें कर्जा दिया। उससे हमने इरेडा का कर्जा चुकाया। किसी ने फोकट में नहीं दिया। हमने कर्जा चुकाने के लिए अपना खुद इंतजाम किया। यह रिकॉर्ड है। इसे देख सकते हैं। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Address to me only! ...*(Interruptions)*... Mr. Minister, please address to the Chair only. ...*(Interruptions)*...

श्री नितिन जयराम गडकरीः सम्माननीय उपसभापति महोदय, मैं केवल दो बातें कहना चाहता हूं। सी.ए.जी. ने जो रिपोर्ट दी है, उस समय यू.पी.ए. की सरकार थी। उसका अपारम्परिक मंत्रालय के अन्तर्गत जो इरेडा है, इनकी सरकार में उसने ही सी.ए.जी. की सभी बातों का जवाब दिया है। यह भी इस रिपोर्ट में है।

महोदय, मैं आपके माध्यम से एक और बात कहना चाहता हूं कि इसके बाद पब्लिक एकाउंट्स कमेटी है। आप में से एक सज्जन कह रहे थे कि मैं सदस्य हूं। मैं कंपनी की लिस्ट दे रहा हूं। इसमें 19 कंपनियां हैं। इन कंपनियों ने 18 मामलों में ब्याज तक नहीं दिया है और 9 कंपनियों ने ऋण भी नहीं चुकाया। आपने एक और गलत उल्लेख किया, हमने 84 करोड़ रुपए कर्जा नहीं लिया, हमने केवल 46 करोड़ रुपए कर्जा लिया था। उसकी कुल मिलाकर 84 करोड़ रुपए की रकम हो गई। उसके बाद जब हमने कहा कि हमें कर्जा वापस करना है, तो उन्होंने पैनल्टी और कंपाउंड इंटरैस्ट कैंसिल कर के 12.25 परसेंट के हिसाब से ब्याज जोड़कर, इन सभी कंपनियों में से केवल एक हमारी कंपनी है, जिसने

[श्री नितिन जयराम गडकरी]

5.00 P.M.

इरेडा को सबसे ज्यादा, 72 करोड़ रुपए वापस दिए, और किसी ने इतना रुपया इरेडा को नहीं दिया। ...**(व्यवधान)**...

SHRI TAPAN KUMAR SEN: But the claim was ₹ 84 crore. ...*(Interruptions)*...

श्रीमती विप्लव ठाकुरः ये पैसे कहां से आए? ...**(व्यवधान)**...

श्री नितिन जयराम गडकरीः यह पैसा कर्जे से आया। यह पैसा उस कंपनी से 14 परसेंट ब्याज पर कर्जा लिया। जिस कंपनी से 14 परसेंट पर कर्जा लिया, उसके ऋण से कर्जा वापस किया। ...**(व्यवधान)**... सम्माननीय उपसभापति महोदय, अब मैं आपके माध्यम से सदन को बताना चाहता हूं कि तब वहां बगास नहीं था, लेकिन आज स्थिति बदल गई है। आज हमारे यहां गन्ना लग गया। उससे 70 परसेंट बगास मिलेगा। परिस्थिति सुधर गई है। अब परिस्थिति उतनी बुरी नहीं है। जब वह परिस्थिति थी, तब हमने महाराष्ट्र सरकार से, एनवायरनमेंट मिनिस्ट्री से, महाराष्ट्र सरकार के ऊर्जा मंत्रालय से, महाराष्ट्र सरकार के एम.ई.आर.सी. आदि से सभी प्रकार की लीगल परमीशन मांगी, फिर हमने इरेडा को बताया, उनकी परमीशन ली और ऊर्जा मंत्रालय की परवानगी के सभी पत्र मैं आपको दे सकता हूं।

यह रिकॉर्ड मैं आपको देता हूं और उन सबकी परमिशन के बाद हमने यह किया। रही बात बाकी बातों की... दिग्विजय जी, मैं आपकी बात बताता हूं। ऐसा है, मैंने उस समय भी यह कहा था, जब हमारे खिलाफ आरोप लगे थे, तब 4,000 लोग हमारे शेयरहोल्डर्स थे। हां, उसमें गरीब भी था, ड्राइवर भी था, चपरासी भी था, सब लोग थे, किसान भी थे, कुछ कंपनियां भी थीं। मेरा शेयर 4,000 का था और इसलिए वे लोग शेयरहोल्डर्स थे, उनका बोर्ड भी था। ...**(व्यवधान)**... उसमें ड्राइवर भी था, सब गरीब लोग थे। क्या इस देश में ड्राइवर को डायरेक्टर नहीं बनना चाहिए? ...**(व्यवधान)**... क्या इस देश में गरीब व्यक्ति को डायरेक्टर बनने का अधिकार नहीं है? सम्माननीय उपसभापति महोदय, इन्होंने इनकी सरकार में मेरे खिलाफ पूरी कोशिश की। इनकम टैक्स में सब जांच होने के बाद मुझे एनओसी मिला कि मेरा किसी के साथ कोई संबंध नहीं है और वह एनओसी मेरे पास है। 2012 में दिग्विजय सिंह जी, आपने अगर फाइनेंस मिनिस्टर को पत्र दिया तो नितिन गडकरी आज भी तैयार है। जो भी इनक्वायरी फाइनेंस मिनिस्टर कराना चाहें, उसके लिए मैं तैयार हूं, मुझे कोई एतराज़ नहीं है। मैं आपको इतना ही कहना चाहूंगा कि इस विषय में भ्रष्टाचार नहीं है, misappropriation नहीं है ...**(समय की घंटी)**... नियमों का उल्लंघन नहीं है। हमने कर्ज़ा माफ किया, किसानों का भला किया और आप क्यों भ्रष्टाचार की बात करते हैं, मेरी समझ में नहीं आता। मुझे पता है और जब मैंने इतने अच्छे तरीके से कहा है, तो उसके समाधान में आपने तीन दिन का समय बेकार किया, उसका पश्चाताप आपको होता होगा। अब कोयला, जो आपने कोयले में ...**(व्यवधान)**... एक महीने तक ...**(व्यवधान)**... चले थे, तो हमने उसका ...**(व्यवधान)**...

SHRI TAPAN KUMAR SEN: Sir, I have one clarification. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shri Ghulam Nabi Azad.

THE MINISTER OF COMMUNICATIONS AND INFORMATION TECHNOLOGY (SHRI RAVI SHANKAR PRASAD): Sir, the clarifications are over. ...*(Interruptions)*...

श्री दिग्विजय सिंह : सर, मैं आपसे यह अनुरोध करना चाहता हूं कि जो सब्सिडी की पात्रता होनी चाहिए थी...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shri Ghulam Nabi Azad. ...*(Interruptions)*...

Sit down. ...*(Interruptions)*...

श्री प्रकाश जावडेकर: सर, यह क्या हो रहा है? चर्चा पर चर्चा, फिर और चर्चा ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You need not question me. ...*(Interruptions)*... Sit down. ...*(Interruptions)*... Sit down. ...*(Interruptions)*... I have to decide this. ...*(Interruptions)*... You are not going to decide it. ...*(Interruptions)*... Sit down. ...*(Interruptions)*... Sit down. ...*(Interruptions)*...

श्री अनिल माधव दवे : यह क्या बार-बार चर्चा...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति : बार-बार or not, it is my decision. ...*(Interruptions)*... Shri Ghulam Nabi Azad.

श्री गुलाम नबी आज़ाद : सर, सबसे पहले मैं फाइनेंस मिनिस्टर का धन्यवाद करता हूं कि जीएसटी को लेकर जो कॉंस्टीट्यूशनल अमेंडमेंट था, उसको सेलेक्ट कमेटी को भेजने की हमारी जो मांग थी, उसको आपने मंज़ूर किया, लेकिन साथ ही साथ मैं यह भी बताना चाहता हूं कि कहीं न कहीं इस सरकार के किसी न किसी हिस्से से एक-दो दिनों से यह इम्प्रेशन मीडिया को दिया जा रहा था या मीडिया को ऐसा लगा या सरकार के द्वारा बताया गया था कि कांग्रेस पार्टी गडकरी जी का मुद्दा इसलिए उठा रही है कि हम कुछ कानूनों को पास नहीं कराना चाहते। यह इम्प्रेशन ...**(व्यवधान)**... मैं कोई गाली नहीं दे रहा हूं। तो यह इम्प्रेशन सरासर गलत था, क्योंकि इस सदन में इस तरह की रिपोर्ट्स पर पहले भी चर्चा हुई है। कई-कई दिनों तक, बीस-बीस दिनों तक सदन नहीं चला है। ...**(व्यवधान)**... तो यह कोई नई बात नहीं थी, आक्रोश था, इस सदन में और सदन के बाहर भी। उस पर चर्चा होना स्वाभाविक था, इसलिए किसी को अगर यह ख्याल था कि हम कुछ कानूनों को रोकने के लिए यह कर रहे हैं, तो यह इम्प्रेशन बिल्कुल गलत था और इसी को ...**(व्यवधान)**... और इसी के चलते मैं यहां नेता सदन से गुज़ारिश करूंगा कि कल सुबह ब्लैक मनी का बिल सबसे पहले लगाया जाए, उसके बाद अगर आपको कोई दूसरा बिल लगाना है, तो हमें कोई आपत्ति नहीं है। जो बिल हैं, हम उनको पास करने में भी सहयोग करेंगे। जहां हमें सेलेक्ट कमेटी को भेजने की जरूरत महसूस होगी, उसके लिए हम आपसे अनुरोध भी करेंगे, उस पर शोर भी करेंगे, इसलिए आप कल ब्लैक मनी का बिल लाइए और उसके साथ कोई और बिल लाना है, तो उसमें हमारा पूरा सहयोग मिलेगा।

जहां तक गडकरी जी का सवाल है, आपने खुद बताया कि कांग्रेस की जो बंद पड़ी है और दिवालिया निकल गया, अब 4000 करोड़ के प्रोजेक्ट तो उन्होंने किए नहीं। उनको किसी ने unsecured लोन नहीं दिया, तो उनको तो बंद होना ही था। इसलिए ...(व्यवधान)...

†قائد حزب اختلاف (جناب غلام نبی آزاد) : سر، سب سے پہلے میں فائننس منسٹر کا دھنیواد کرتا ہوں کہ جی۔ایس۔ٹی۔ کو لے جو کانسٹی ٹیوشن امینڈمینٹ تھا، اس کو سلیکٹ کمیٹی کو بھیجنے کی ہماری مانگ تھی، اس کو آپ نے منظور کیا، لیکن ساتھ ہی ساتھ میں یہ بھی بتانا چاہتا ہوں کہ کہیں نہ کہیں اس سرکار کے کسی نہ کسی حصے سے ایک۔دو دنوں سے یہ امپریشن میڈیا کو دیا جا رہا تھا یا میڈیا کو ایسا لگا یا سرکار کے ذریعے بتایا گیا تھا کہ کانگریس پارٹی گڈکری جی کا مدعا اس لئے اٹھا رہی ہے کہ ہم کچھ قانونوں کو پاس نہیں کرانا چاہتے۔ یہ امپریشن ۔۔۔(مداخلت)۔۔۔ میں کوئی گالی نہیں دے رہا ہوں۔ تو یہ امپریشن سراسر غلط تھا، کیوں کہ اس سدن میں اس طرح کی رپورٹس پر پہلے بھی چرچا ہوتی ہے۔ کئی کئی دنوں تک، بیس۔بیس دنوں تک سدن نہیں چلا ہے ۔۔۔(مداخلت)۔۔۔ تو یہ کوئی نئی بات نہیں تھی، آکروش تھا، اس سدن میں اور سدن کے باہر بھی۔ اس پر چرچا ہونا سوابھاوک تھا۔ اس لئے کسی کو اگر یہ خیال تھا کہ ہم کچھ قانونوں کو روکنے کے لئے کر رہے ہیں، تو یہ امپریشن بالکل غلط تھا اور اسی کو ۔۔۔(مداخلت)۔۔۔ اور اسی کے چلتے میں یہاں نیتا سدن سے گزارش کروں گا کہ کل صبح بلیک منی کا بل سب سے پہلے لایا جائے، اس کے بعد اگر آپ کو کوئی دوسرا بل لگانا ہے، تو ہمیں کوئی آپتی نہیں ہے۔ جو بل ہیں، ہم ان کو پاس کرنے میں بھی سہیوگ کریں گے۔ جہاں ہمیں سلیکٹ کمیٹی کو بھیجنے کی ضرورت محسوس ہوگی، اس کے لئے ہم آپ سے انورودھ بھی کریں گے، اس پر شور بھی کریں گے، اس لئے آپ کل بلیک منی کا بل لائیے اور اس کے ساتھ کوئی اور بل لانا ہے، تو اس میں ہمارا پورا سہیوگ ملے گا۔

جہاں تک گڈکری جی کا سوال ہے، آپ نے خود بتایا کہ کانگریس کی جو بند پڑی ہے اور دیوالیہ نکل گیا، اب 4000 کروڑ کے پروجیکٹ تو انہوں نے کئے نہیں۔ ان کو کسی نے 'ان سیکیورڈ' لون نہیں دیا، تو ان کو تو بند ہونا ہی تھا اس لئے ۔۔۔(مداخلت)۔۔۔

श्री नितिन जयराम गडकरी: आप गलत बोल रहे हैं। ...(व्यवधान)...

श्री गुलाम नबी आज़ाद : इसलिए हम माननीय गडकरी जी के उत्तर से बिल्कुल संतुष्ट नहीं हैं और हम सदन से वाक आउट करते हैं।

†جناب غلام نبی آزاد : اس لئے ہم مانئے گڈکری جی کے جواب سے بالکل مطمئن نہیں ہیں اور ہم سدن سے واک آؤٹ کرتے ہیں۔

(At this stage, some hon. Members left the Chamber.)

GOVERNMENT BILL — *Contd.*

The Companies (Amendment) Bill, 2014

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, I will take up Bills for consideration and passing. First Bill is the Companies (Amendment) Bill, 2014. Shri Arun Jaitley is to move the motion.

† Transliteration in Urdu Script.